सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in | www.facebook.com/4pmnewsnetwork | @Editor_SanjayS | YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 10 ● अंक: 325 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, शुक्रवार, 3 जनवरी, 2025
मूल्य ₹ 3/-

चाहे जिंदगी जितनी भी कठिन लगे, आप हमेशा कुछ न कुछ कर सकते हैं और सफल हो सकते हैं।
-स्टीफन हॉकिंग

सिडनी टेस्ट में फिर लड़खड़ाई भारतीय... 7 | बंगाल से फिर भांपा जाएगा देश... 3 | कुछ लोग दिखावे के लिए सकारात्मक... 2

राहुल गांधी का एलान

देश को बताएंगे मनुस्मृति बनाम संविधान

संविधान में वर्ण व्यवस्था का किया गया है विरोध

बीजेपी देश के युवाओं का भविष्य छीन रही है : नेता प्रतिपक्ष

- मनुस्मृति में वर्ण व्यवस्था और जातिवाद को बढ़ावा
- महंगाई, बेरोजगारी पलायन, भ्रष्टाचार और आत्महत्या जैसी बीमारी की गिरफ्त में भारत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने एक बार फिर बीजेपी की दुखती रग पर हाथ रखा है। राहुल गांधी ने आरोप लगाया है कि बीजेपी इस देश को मनुस्मृति से चलाने में यकीन रखती है। उन्होंने कहा कि जैसे द्रोणाचार्य ने एकलव्य का अंगूठा लिया, वैसे ही बीजेपी देश के युवाओं का भविष्य छीन रही है।

दरअसल राहुल गांधी ने अपना न्यूज लेटर जारी किया है जिसमें संसद में संविधान और मनुस्मृति पर राहुल गांधी की स्पीच और उनसे जुड़े घटनाक्रम पर उनके विचारों के बारे में बताया गया है। राहुल गांधी ने गृह मंत्री अमित शाह द्वारा राज्यसभा में बाबासाहेब अंबेडकर के कथित अपमान करने को लेकर उनके इस्तीफे की मांग भी की है। दरअसल राहुल गांधी को पता है कि कांग्रेस को हाल के दिनों में जो राजनीतिक सफलताएं मिली है वह पीडीए के गठन के बाद ही हुआ है। बीजेपी ने भी इस मुददे की समीक्षा करने के बाद स्वीकार किया है कि एनडीए इंडिया गठबंधन के संविधान और पीडीए जैसे मुद्दों को सही से टैकल नहीं कर सका इसी कारण लोकसभा चुनाव में भारी हार का सामना करना पड़ा।

सामाजिक नीतियों की असफलता

2014 के बाद भारत में रोजगार के अवसरों में कमी आई है, और यह विशेष रूप से युवाओं के लिए बड़ी चिंता का विषय है।

राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) के अनुसार, 2017-18 में भारत की बेरोजगारी दर 6.1 प्रतिशत तक पहुँच गई, जो 45 वर्षों में सबसे उच्चतम आंकड़ा था। युवा बेरोजगारी (15-29 वर्ष के बीच) की दर 23.7 प्रतिशत तक पहुँच गई, जो चिंता का विषय है। इसका कारण कई तरह की आर्थिक और सामाजिक नीतियों की असफलता हो सकती है।

मनुस्मृति व संविधान में तुलना

भारत की सामाजिक और राजनीतिक व्यवस्था पर मनुस्मृति का प्रभाव भी एक महत्वपूर्ण मुद्दा है। मनुस्मृति में वर्ण व्यवस्था और जाति व्यवस्था को बढ़ावा दिया गया था। जिससे समाज में असमानताएं बढ़ीं। इससे विशेष रूप से गरीब और पिछड़ी जातियों के लिए रोजगार और सामाजिक अवसरों की कमी हुई। इसके विपरीत, भारतीय संविधान ने समानता, न्याय और अवसर की गारंटी दी है। संविधान में वर्ण व्यवस्था का विरोध किया गया है और समानता का अधिकार (आर्टिकल 14) तथा रोजगार के अवसरों में समानता (आर्टिकल 16) की गारंटी दी गई है। संविधान के तहत, प्रत्येक नागरिक को रोजगार पाने के समान अवसर दिए गए हैं, और इसके लिए कई योजनाएँ बनाई गई हैं, जैसे कि प्रधानमंत्री रोजगार योजना, राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना और कई अन्य। हालांकि, इन योजनाओं के प्रभावी कार्यान्वयन में कमी और भ्रष्टाचार के कारण इनका पूरी तरह से लाभ नहीं मिल पा रहा है।

> संविधान के तहत, प्रत्येक नागरिक को रोजगार पाने के समान अवसर दिए गए हैं

युवाओं का एकलव्य की तरह अंगूठा काट रही है भाजपा: राहुल गांधी

राहुल गांधी ने करारा वार करते हुए कहा है कि भाजपा भारत के युवाओं का बिल्कुल एकलव्य की तरह अंगूठा काट रही है, उनका भविष्य मिटा रही है। सरकारी भर्ती में विफलता बड़ा अन्याय है। पहले तो भर्ती नहीं निकलती। भर्ती निकल जाए तो एग्जाम समय पर नहीं होते। एग्जाम हो तो पेपर लीक करवा दिए जाते हैं और जब युवा न्याय मांगते हैं, तब उनकी आवाज को बेरहमी से कुचला जाता है। उन्होंने आगे कहा, हाल ही में यूपी और बिहार की घटनाओं के बाद अब मध्य प्रदेश में एमपीपीएससी में हुई गड़बड़ी का विरोध कर रहे दो छात्रों को जेल में डाल दिया गया है। वो भी तब जब मुख्यमंत्री ने खुद छात्रों से मुलाकात कर उनकी मांगों पर विचार करने का आश्वासन दिया था। बीजेपी की सरकार ने छात्रों के भरोसे को तोड़ा है और लोकतांत्रिक प्रणाली का गला घोंटा है। छात्रों के अधिकार की लड़ाई में हम उनके साथ हैं। भाजपा को देश के युवाओं के हक की आवाज किसी कीमत पर दबाने नहीं देंगे।

> “बीजेपी की सरकार ने छात्रों के भरोसे को तोड़ा है और लोकतांत्रिक प्रणाली का गला घोंटा है”

सरकारी नीतियों के चलते कम हो रहा है रोजगार

समाजशास्त्री कहते हैं कि भारत में रोजगार की कमी के कई कारण हैं, और इनमें सरकारी नीतियों का भी बड़ा हाथ है। सबसे पहला कारण वह नीतियाँ हैं जिनके तहत निजी क्षेत्र को बढ़ावा दिया जा रहा है। जबकि सरकारी क्षेत्र में रोजगार के अवसर सीमित हो गए हैं। सरकारी क्षेत्र की नौकरियों में कटौती और ठेकेदार प्रणाली ने स्थिर रोजगार के अवसरों को कम किया है। इसके अलावा, उद्योगों के लिए श्रम कानूनों में ढील और श्रमिकों की सुरक्षा पर ध्यान न देना भी रोजगार के अवसरों में कमी का कारण बना है। वह कहते हैं कि कृषि क्षेत्र में भी रोजगार की कमी का सामना करना पड़ रहा है। जबकि कृषि में रोजगार देने की क्षमता बहुत बड़ी है। लेकिन कृषि उत्पादकता में गिरावट और छोटे किसानों के लिए कोई ठोस नीति न होने के कारण, लाखों लोग कृषि छोड़कर शहरों की ओर पलायन कर रहे हैं, जहां उन्हें कम वेतन वाली अस्थिर नौकरियों के लिए संघर्ष करना पड़ता है।

आरएसएस ने संभाला मोर्चा

मनुस्मृति बनाम संविधान के मुद्दे ने जिस तेजी से आम जनमानस के बीच अपनी पैठ बनाई है उससे आरएसएस भी चिंतित है। संघ प्रमुख के हाल के बयान को भी इसी घटनाक्रम से जोड़कर देखा जा रहा है। संघ प्रमुख ने देश को संविधान से चलाने की बात कही थी जिसपर उनकी कड़ी आलोचनाएं भी सामने आई थी। संघ इस मुददे को बैकडोर से टैकेल करने की कोशिश कर रहा है।

1940 में शाखा में शामिल हुए थे अंबेडकर और महात्मा गांधी, आरएसएस मीडिया विंग का दावा

आरएसएस की संचार शाखा ने दावा किया है कि भारतीय संविधान के निर्माता डॉ. अंबेडकर ने 85 साल पहले आरएसएस की एक शाखा का दौरा किया था। विश्व संवाद केंद्र ने कहा कि अपने संबोधन में डॉ. अंबेडकर ने कहा, हालांकि कुछ मुद्दों पर मतभेद हैं, लेकिन मैं संघ को अपनेपन की भावना से देखता हूं। आरएसएस की संचार शाखा के अनुसार, डॉ. बाबासाहेब अम्बेडकर ने 1940 में महाराष्ट्र के सतारा में एक शाखा का दौरा किया था। उनमें संघ के प्रति सहानुभूति का भाव था। संघ की मीडिया विंग ने अपने बयान में यह भी बताया कि 1934 में महात्मा गांधी भी एक शाखा में गए थे। आरएसएस की संचार शाखा वीएसके की विदर्भ शाखा ने इन दावों के साथ एक बयान जारी किया। वीएसके ने कहा कि 9 जनवरी 1940 को पुणे स्थित मराठी दैनिक केसरी ने डॉ. अंबेडकर के आरएसएस शाखा में जाने की खबर प्रकाशित की थी। वीएसके ने अपने दावे के साथ खबर की क्लिपिंग को भी प्रमाणित किया। रिपोर्ट में आरएसएस विचारक दत्तोपंत ठेंगड़ी की लिखी किताब डॉ अंबेडकर और सामाजिक क्रांति की यात्रा का हवाला दिया गया है, इसमें आरएसएस और डॉ. अंबेडकर के बीच संबंधों के बारे में बात की गई। किताब के आठवें अध्याय की शुरुआत में ठेंगड़ी कहते हैं कि डॉ. अंबेडकर को आरएसएस के बारे में पूरी जानकारी थी।

> “विश्व संवाद केंद्र ने कहा कि 9 जनवरी 1940 को पुणे स्थित मराठी दैनिक केसरी ने डॉ. अंबेडकर के आरएसएस शाखा में जाने की खबर प्रकाशित की थी”

कुछ लोग दिखावे के लिए सकारात्मक लोगों का साथ देते हैं : अखिलेश यादव

दिलजीत दोसांझ व पीएम की मुलाकात पर सपा मुखिया ने कसा तंज

» बोले- गीत- संगीत की सरहद नहीं होती, न ही बाड़े

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। पंजाबी गायक दिलजीत दोसांझ ने साल 2025 के पहले ही दिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की थी। उनकी मुलाकात पर सपा मुखिया ने इशारे-इशारे में तंज कसा है।

पूर्व सीएम अखिलेश यादव ने कहा है कि सकारात्मक लोग उनकी ऊर्जा और उत्साह से सच में प्रेरणा लेते हैं, कुछ लोग दिखावे के लिए ही सही, इनका साथ देते दिखते हैं, लेकिन जो लोग घोर रूढ़िवादी होते हैं या किसी 'एहसास-ए-कमतरी' के शिकार होते हैं, वो युवा पीढ़ी की प्रचलित संस्कृति और आधुनिकता के घोर विरोधी होते हैं, ऐसे लोगों की सोच उनके वचन और विनाशात्मक गतिविधियों में दिखाई देती है, गीत-संगीत की सरहद नहीं होती, न ही बाड़े! दरअसल, दिलजीत दोसांझ और पीएम मोदी की मुलाकात को लेकर सियासी गलियारों में भी चर्चाएं तेज रहीं। बता दें कि पंजाबी गायक दिलजीत दोसांझ अपने गानों को लेकर भी कई बार चर्चाओं में रहे हैं और उन्हें इसके लिए कई बार नोटिस भी मिला है. साल 2024 में दिलजीत दोसांझ भारत में अपने दिल लुमिनाटी टूर पर रहे और उन्होंने कई शहरों में अपने कंसर्ट किए, दिलजीत के दिल लुमिनाटी इंडिया टूर' का आगाज 26 अक्टूबर को नई दिल्ली से हुआ था और इसका समापन लुधियाना में हुआ. दिलजीत के गानों को लेकर भी कई बार सवाल उठे हैं और उन्होंने भी अपने हेटर्स को स्टेज से ही जवाब दिया है। पीएम नरेंद्र मोदी ने इंस्टाग्राम पर दिलजीत से हुई मुलाकात का एक वीडियो शेयर कर लिखा-एक बहुत ही यादगार बातचीत, दिलजीत दोसांझ के साथ बहुत अच्छी बातचीत हुई, वह वास्तव में बहुमुखी प्रतिभा के धनी हैं. उनमें प्रतिभा और परंपरा का मिश्रण हैं। हम संगीत, संस्कृति और बहुत कुछ के जरिये जुड़े हुए हैं।

सपा प्रमुख ने आलोचकों को दिया करारा जवाब

समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव ने सोशल मीडिया एक्स पर दिलजीत दोसांझ का एक वीडियो शेयर कर पंजाबी सिंगर के हेटर्स को करारा जवाब दिया है। सपा मुखिया अखिलेश यादव ने एक्स पर लिखा-नये जमाने और नयी पीढ़ी की अपनी एक अलग थिरकन होती है, अपनी अलग धड़कन होती है क्योंकि उनमें आशा और प्रगति की भावना होती है।

मुंगेरी लाल के हसीन सपने देख रहे लालू : फडणवीस

» महाराष्ट्र के सीएम ने नीतीश की पलटी मारने के सवाल पर दी प्रतिक्रिया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। बिहार में सियासी सुगबुगाहट के बीच महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने लालू यादव पर कटाक्ष किया है। उन्होंने बिहार के सीएम नीतीश कुमार के पाला बदलने की अटकलों को लेकर एक सवाल के जवाब में कहा, ऐसी बातों में कोई दम नहीं है, ये मुंगेरी लाल के हसीन सपने ही रहेंगे।

फडणवीस ने कहा कि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के तमाम घटक दल एकजुट हैं। एनडीए के बीच बिखराव की ताक में लगे विपक्षी दलों के मंसूबे कभी कामयाब नहीं होंगे। गौरतलब है कि लालू प्रसाद यादव ने बीते दिनों एक सवाल के जवाब में कहा था कि बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के लिए विपक्षी गठबंधन- इंडिया के दरवाजे हमेशा खुले हैं। फडणवीस लालू के इसी बयान पर पलटवार कर रहे थे। यह भी दिलचस्प है कि बिहार में नीतीश कुमार पाला बदलने के कारण अक्सर आलोचकों के निशाने पर रहे हैं। पिछली बार उन्होंने एनडीए का दामन छोड़कर लालू प्रसाद यादव की पार्टी- राष्ट्रीय जनता दल से हाथ मिला लिया था। हालांकि, कुछ ही महीने के बाद लालू ने एक बार फिर भाजपा के साथ सरकार बनाने का फैसला लिया। एक और बार खेमा बदलने के सवालों पर नीतीश कई बार कह चुके हैं कि वे दो बार गलतियां कर चुके हैं, अब वे भाजपा के साथ ही बन रहेंगे।

कश्मीर पर गृहमंत्री अमित शाह गुमराह न करें : सलमान निजामी

» गुलाम नबी आजाद की पार्टी ने राज्य का नाम बदलने को लेकर भाजपा को घेरा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

श्रीनगर। कश्मीर के नाम को लेकर केंद्रीय मंत्री अमित शाह के बयान से सियासी हलचल तेज हो गई है। गुरुवार (2 जनवरी) को एक पुस्तक के विमोचन कार्यक्रम में अमित शाह ने कहा था, ऐसा हो सकता है कि कश्मीर का नाम महर्षि कश्यप के नाम पर पड़ा हो, क्योंकि इसे कश्यप की भूमि के नाम से भी जाना जाता है।

अमित शाह के इस बयान पर अब डीपीएपी नेता सलमान निजामी की प्रतिक्रिया आई है। उन्होंने दावा किया है कि केंद्रीय मंत्री के इस बयान से जम्मू-कश्मीर के लोग हैरान और नाराज हैं। सलमान निजामी ने अमित शाह के बयान का एक क्लिप शेयर करते हुए लिखा, अमित शाह ने यह कहा है कि ऐसा संभव है कि कश्मीर का नाम कश्यप के नाम पर रखा गया हो। उन्होंने यह नहीं कहा कि कश्मीर का नाम कश्यप के नाम पर होना ही चाहिए। वहीं, सलमान निजामी ने कहा कि भ्रम पैदा न करें और गुमराह न हों।

कश्मीर का नाम कश्यप के नाम पर हो : अमित शाह

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा था इतिहासकारों ने कश्मीर का इतिहास पुस्तकों के जरिए बताने की कोशिश की. मेरी अपील है कि प्रमाण के आधार पर ही किताब लिखें। 150 साल का एक दौर था, जब इतिहास दिल्ली तक ही सीमित था। वह समय शासकों को खुश करने का था, यह समय इतिहास को मुक्त करने का है। मैं इतिहासकारों से अपील करता हूं कि वह हमारे हजारों साल पुराने इतिहास को तथ्यों के साथ लिखा करें।

अपना दल ने योगी सरकार पर बोला हमला

» मंत्री आशीष पटेल के मामले पर अनुप्रिया भी नाराज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। योगी सरकार के मंत्री आशीष पटेल ने सीधा मोर्चा खोल दिया है। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा है कि इस तरह से षड़यंत्रों से मैं डरने वाला नहीं हूं। अगर हिम्मत है, तो मुझे मंत्रिमंडल से बर्खास्त कर दिया जाए। पॉलीटेक्निक संस्थाओं में विभागाध्यक्ष के पद पर पदोन्नति का मुद्दा तुल पकड़ने लगा है। इस मुद्दे परअपना दल (एस) की अध्यक्ष और केंद्रीय मंत्री अनुप्रिया पटेल और प्रदेश के प्राविधिक शिक्षा मंत्री आशीष पटेल ने अक्रामक रूप से पल्लवी पटेल पर हमला बोला।

अनुप्रिया ने कहा कि हम साजिशों से डरने वाले नहीं हैं। वहीं आशीष पटेल ने कहा कि मेरे खिलाफ षड़यंत्र करने वालों में हिम्मत है तो मुझे बदनाम कराने की साजिश रचने वाले पैर के बजाए मेरे सीने में गोली मार लें । दोनों नेताओं ने कहा कि किसी कार्यकर्ता के साथ साजिश बर्दाश्त नहीं करेंगे और मुंहतोड़ जवाब देंगे। कहा कि ऐसी साजिशों का जवाब संगठन की ताकत से दिया जाएगा ।

इस्तीफा नहीं दूंगा, हिम्मत है तो मुझे बर्खास्त करें : आशीष पटेल

आशीष पटेल में पत्रकारों से कहा कि इस तरह से षड़यंत्रों से मैं डरने वाला नहीं हूं। अगर हिम्मत है, तो मुझे मंत्रिमंडल से बर्खास्त कर दिया जाए। उन्होंने कहा कि मुझे बदनाम करने में पूरी ताकत लगाई जा रही है। मेरा सकारात्मक हिस्सा छुपाया जाता है, नकारात्मक दिखाया जाता है। अब लड़ना है या डरना है, मैं सरदार पटेल का बेटा हूं, लड़ूंगा अब डरूंगा नहीं। उन्होंने कहा मैने गलत किया है तो सीबीआई से जांच करा लिया जाए। अब मैं भी चुप नहीं बैठूंगा, ईंट का जवाब पत्थर से दूंगा, थप्पड़ खाकर चुप नहीं बैठूंगा । मेरे पास जनतंत्र है, इसलिए किसी भी तंत्र से डरने वाला नहीं हूं। इस्तीफा देने के सवाल के जवाब में आशीष ने कहा कि इस्तीफा तो डरपोक देते हैं, हिम्मत है तो बर्खास्त कर दें। उन्होंने कहा कि हम पीएम की अगुवाई वाले एनडीए का हिस्सा हैं। आगे भी रहेगा। पीएम मोदी ही हमारे नेता हैं। अगर पीएम मोदी कहेंगे तो मैं मंत्री पद से इस्तीफा भी दे दूंगा।

मैं किसी भी साजिश से डरने वाली नहीं : अनुप्रिया पटेल

अनुप्रिया ने आशीष पटेल पर लगाए जा रहे भ्रष्टाचार के आरोपों का जवाब देते हुए कहा कि इससे वह डरने वाली नहीं हैं। इस साजिश के पीछे किसका हाथ है, सभी जानते हैं। उन्होंने कहा कि अपना दल के खिलाफ जो भी षड़यंत्र चल रहा है वह किसके इशारे पर चल रहा है कहां से चल रहा है कैसे चल रहा है अपना दल का एक-एक शुभचिंतक और समर्थक जानता है। जो भी षड़यंत्र करने वाली ताकत है वह कान खोल कर सुन ले कि अगर उन्हें गलतफहमी है कि इन षडयंत्रों से डर कर सामाजिक न्याय के विषय को उठाना छोड़ देगा तो ऐसा होने वाला नहीं है। अनुप्रिया ने कहा कि जब भी हम पिछड़ों और दलितों का हक मारे जाने पर सवाल उठाते हैं तो कुछ लोगों के पेट में दर्द होने लगता है। इससे उनकी पार्टी डरने वाली नहीं है। उन्होंने कहा कि हमें षड्यंत्रों को जवाब देना आता है।

राहुल गांधी के खिलाफ दायर मानहानि केस में अगली सुनवाई 10 जनवरी को

» केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह पर आपत्तिजनक टिप्पणी करन का है मामला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह पर आपत्तिजनक टिप्पणी करने के मामले में कांग्रेस नेता राहुल गांधी के खिलाफ दायर मानहानि केस में परिवादी भाजपा नेता से जिरह हुई। जिरह पूरी नहीं होने पर एमपी-एमएलए की विशेष कोर्ट के मजिस्ट्रेट शुभम वर्मा ने शेष जिरह के लिए 10 जनवरी की तिथि नियत कर दी है।

राहुल गांधी पर बंगलुरु में तत्कालीन भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष व मौजूदा केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह पर आपत्तिजनक टिप्पणी करने का आरोप है। इसको लेकर कोतवाली देहात थाने के हनुमानगंज निवासी जिला सहकारी बैंक के पूर्व चेयरमैन व भाजपा नेता विजय मिश्रा ने चार अगस्त 2018 को राहुल गांधी के खिलाफ मानहानि का परिवाद दायर किया था। इसमें राहुल गांधी की जमानत व बयान दर्ज हो चुका है। बृहस्पतिवार को परिवादी भाजपा नेता विजय मिश्र से राहुल गांधी के अधिवक्ता ने जिरह की लेकिन जिरह पूरी नहीं हो पाई। कोर्ट ने शेष जिरह के लिए 10 जनवरी की तिथि नियत की है।

बंगाल से फिर भांपा जाएगा देश का सियासी हाल

पूरे भारत में अपना कद बढ़ाएंगी टीएमसी प्रमुख

भाजपा, कांग्रेस व सीपीआईएम पर हमले किए तेज

» ममता ने नए साल में लिया नया संकल्प

» टीएमसी मना रही है अपना 26वां स्थापना दिवस

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकाता। बंगाल की राजनीति हमेशा से देश में चर्चा का विषय बनी रहती है। अभी हाल ही में बांग्लादेश में फैली अराजकता के बाद राज्य के सीएम ममता बनर्जी ने उस मुद्दे को पूरे जोर-शोर से उठाया। उन्होंने विधान सभा में बांग्लादेश को धमकी तक दे डाली कि अगर उसने भारत की तरफ आंख भी दिखाई तो उसको अंजाम भुगतना पड़ेगा। उसके अलावा उन्होंने अपने गठबंधन इंडिया को भी समय-समय पर नसीहत दिया है। हमेशा भाजपा को अपने निशाने पर लेने वाली टीएमसी सुप्रीमो ने सीपीआईएम को भी नहीं छोड़ा।

नए साल में भी उन्होंने कड़े तेवर दिखाने शुरू कर दिए हैं। 1 जनवरी को अपनी पार्टी की 26वें स्थापना दिवस पर उन्होंने कहा कि वह आमजन से जुड़े मामले हमेशा उठाती रहेंगी। 1998 में स्थापित टीएमसी 2011 में वाम मोर्चा सरकार को हराने के बाद पश्चिम बंगाल की सत्ता पर काबिज हुई थी। इससे पहले 2001 और 2006 के विधानसभा चुनावों में पार्टी को सफलता नहीं मिली थी। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) ने बुधवार को अपना 26वां स्थापना दिवस मनाया। पार्टी की स्थापना एक जनवरी 1998 को हुई थी। इस अवसर पर टीएमसी सुप्रीमो और मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा कि राज्य के लोगों के अधिकारों के लिए पार्टी का संघर्ष जारी है और भविष्य में भी जारी रहेगा।ममता बनर्जी ने फेसबुक पर लिखा,सबसे पहले मैं आप सभी को नववर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं देती हूं। इसके साथ ही आज हमारी पार्टी का स्थापना दिवस भी है। इस वर्ष के स्थापना दिवस के अवसर पर मैं आपके साथ अपना लिखा और संगीतबद्ध किया एक गीत साझा कर रही हूं। यह गीत प्रसिद्ध गायक इंद्रनील सेन ने गाया है। बंगाल के लोगों के अधिकारों के लिए हमारा संघर्ष जारी है और आने वाले दिनों में भी जारी रहेगा। जय हिंद! जय बांग्ला! वंदे मातरम! तृणमूल कांग्रेस जिंदाबाद! मां-माटी-मानुष जिंदाबाद।

टीएमसी ने 26 साल में छुए कई आसमान

1998 में स्थापित टीएमसी 2011 में वाम मोर्चा सरकार को हराने के बाद पश्चिम बंगाल की सत्ता पर काबिज हुई थी। इससे पहले 2001 और 2006 के विधानसभा चुनावों में पार्टी को सफलता नहीं मिली थी। पश्चिम बंगाल की राजनीति में एक महत्वपूर्ण शख्सियत ममता बनर्जी ने पार्टी को लगातार तीन बार सत्ता में पहुंचाया है, जिसमें 2021 के विधानसभा चुनावों में मिली शानदार जीत भी शामिल है।

टीएमसी कार्यकर्ताओं की कड़ी मेहनत और बलिदान को सलाम : अभिषेक

टीएमसी के राष्ट्रीय महासचिव और सांसद अभिषेक बनर्जी ने लिखा, टीएमसी देश और राज्य के लोगों के कल्याण के लिए समर्पित है। मैं सभी टीएमसी कार्यकर्ताओं की कड़ी मेहनत और बलिदान को सलाम करता हूं। वे हमारी पार्टी की रीढ़ हैं। नए साल में, आइए भविष्य के संघर्षों के लिए नए जोश के साथ तैयारी करें।

राज्य में शाह की आंबेडकर संबंधी टिप्पणी पर माकपा प्रदर्शन और तेज करेगी

मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) ने कहा कि वह केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह द्वारा संसद में बीआर आंबेडकर पर की गई टिप्पणी के खिलाफ पूरे पश्चिम बंगाल में अपना विरोध प्रदर्शन तेज करेगी। माकपा के प्रदेश सचिव मोहम्मद सलीम ने बांग्लादेश की मौजूदा स्थिति पर भी चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि पार्टी की दो-दिवसीय प्रदेश समिति की बैठक में पड़ोसी देश और अन्य सभी जगहों पर अल्पसंख्यकों के अधिकारों की रक्षा के लिए आंदोलन तेज करने का निर्णय लिया गया।उन्होंने कहा कि माकपा कार्यकर्ता और उसके अग्रणी संगठनों के सदस्य शाह की टिप्पणियों के खिलाफ पूरे राज्य में प्रखंड स्तर पर विरोध प्रदर्शन जारी रखेंगे। उन्होंने एक बयान में कहा, ''हमारे सामाजिक मोर्चों ने पहले ही विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया

है। इसे और तेज किया जाएगा। सलीम ने कहा कि माकपा कार्यकर्ता बांग्लादेश की स्थिति के बहाने लोगों को ध्रुवीकृत करने के निरंतर प्रयासों के खिलाफ भी अभियान चलाएंगे। उन्होंने कहा कि माकपा 12 जनवरी से 'एक राष्ट्र एक चुनाव' के खिलाफ विरोध कार्यक्रमों की एक श्रृंखला भी शुरू करेगी। सलीम ने यह भी कहा कि माकपा नेताजी सुभाष चंद्र बोस को श्रद्धांजलि देने के लिए 23 जनवरी को 'राष्ट्रीय देशभक्ति दिवस' के रूप में मनाएगी। उन्होंने कहा कि पार्टी सत्तारूढ़ दल तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के खिलाफ अपना आंदोलन जारी रखेगी, जो पश्चिम बंगाल में ''अलोकतांत्रिक, तानाशाही, भ्रष्ट'' शासन का नेतृत्व करती है।

ममता ने भाजपा और सीपीआईएम पर जमकर साधा निशाना

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी एक कार्यक्रम में शामिल होने के लिए संदेशखाली गईं। विशेष रूप से, यह पहली बार है जब सीएम ममता बनर्जी ने इलाके में हिंसक विरोध प्रदर्शन के बाद संदेशखाली का दौरा किया। संदेशखाली में कार्यक्रम को संबोधित करते हुए ममता बनर्जी ने बीजेपी और सीपीआईएम पर निशाना साधा। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए ममता बनर्जी ने कहा कि यह सेवा सरकार के लिए है और किसी भी सरकारी प्रोजेक्ट के लिए किसी को पैसा न दें। ममता ने कहा कि यह पैसा सरकार का है, यह पैसा आपका है। इसलिए सरकारी परियोजनाओं के लिए किसी को पैसा न दें। ममता ने कहा कि अगर कोई बुलाए तो मत जाइए और अगर कोई सरकारी प्रोजेक्ट दुआरे सरकार पर आता है तो घर पर प्रोजेक्ट के बारे में बात करें। विद्याधरी नदी पर पुल की मांग पर ममता बनर्जी ने कहा कि यह काम धीरे-धीरे किया जाएगा। आज झुपखाली में पुल की घोषणा की गई है। संदेशखाली में ममता बनर्जी ने कहा कि मां-बहनें देश का गौरव हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि अगर माँ और बहन नहीं है, तो कोई परिवार नहीं है। घर की महिलाएं स्वास्थ्य साथी परियोजना की प्रमुख हैं। ममता ने कहा कि 123 करोड़ रुपये से कई परियोजनाओं का उद्घाटन किया गया है और संदेशखाली में सड़क, बांध, जल उपचार संयंत्र, सामुदायिक भवनों का निर्माण किया गया है। ममता ने यह भी वादा किया कि आने वाले दिनों में एक नया उपखंड और जिला बनाया जाएगा क्योंकि संदेशखाली के लोगों को दूर जाना पड़ता है।

भाजपा का बंगाल सरकार पर हमला, संदेशखली की महिलाओं के खिलाफ झूठे आरोप गढ़े

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के संदेशखली में एक कार्यक्रम में शामिल होने के एक दिन बाद, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता शुभेंदु अधिकारी ने उसी स्थान पर एक रैली की और आरोप लगाया कि तृणमूल कांग्रेस सरकार ने अपनी पार्टी के नेताओं के कथित दुराचार के खिलाफ प्रदर्शन करने वाली महिलाओं के विरुद्ध झूठे आरोप मढ़े हैं। उत्तर 24 परगना जिले में सुंदरबन की सीमा पर स्थित इस द्वीपीय इलाके में एक जनसभा को संबोधित करते हुए विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष अधिकारी ने बनर्जी को शरारतपूर्ण इरादे वाला व्यक्ति करार दिया।उन्होंने संकल्प लिया कि 2026 के विधानसभा चुनावों में भाजपा के सत्ता में आने पर तृणमूल के स्थानीय नेताओं के कथित अत्याचारों की जांच के लिए एक आयोग गठित किया जाएगा। अधिकारी ने कहा, ''ममता बनर्जी ने 2024 के लोकसभा चुनावों से पहले संदेशखली में माताओं और बहनों की गिरफ्तारी की साजिश रची थी। तृणमूल के शाहजहां शेख जैसे स्थानीय बाहुबली नेताओं द्वारा किये गये दुराचार के खिलाफ आवाज उठाने पर उनके (माता-बहनों के) विरुद्ध झूठे आरोप लगाए गए और उन्हें गिरफ़्तार किया गया। अगर भाजपा सत्ता में आती है तो आप (ममता बनर्जी) इस तरह के उत्पीड़न को बढ़ावा देने के लिए कार्रवाई का सामना करेंगी।संदेशखली में 2024 की शुरुआत में स्थानीय टीएमसी नेताओं द्वारा कथित तौर पर जमीन हड़पने और महिलाओं के यौन उत्पीड़न को लेकर बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन हुए थे। इन विरोध प्रदर्शनों के बाद पहली बार संदेशखली की यात्रा पर आई बनर्जी ने सोमवार को वहां के निवासियों से राज्य द्वारा संचालित योजनाओं का लाभ उठाने के लिए किसी को भी पैसे न देने को कहा था। अधिकारी ने दावा किया कि भाजपा ने 2021 के विधानसभा चुनावों में नंदीग्राम से और 2024 के लोकसभा चुनावों में तमलुक से एकजुट हिंदू वोटों के कारण जीत हासिल की थी। उन्होंने कहा कि यह गति जारी रहेगी। तृणमूल पर अनुचित चुनावी उपायों का सहारा लेने का आरोप लगाते हुए उन्होंने दावा किया कि बशीरहाट से दिवंगत तृणमूल सांसद हाजी एसके नूरुल इस्लाम के नामांकन पत्र में काफी खामियां थीं और लोकसभा चुनावों में क्षेत्र से भाजपा की उम्मीदवार रेखा पात्रा ने चुनाव आयोग में शिकायत भी दर्ज कराई थी।

जिद... सच की

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

एआई के दुरुपयोग पर इस साल बने बात!

बदलाव प्रकृति का नियम है। इस नियम को आजकर कोई तोड़ नहीं पाया है। हर बदलते साल के साथ मौसम बदल रहे हैं। तरीके और तकनीक बदल रही है। हम बदल रहे हैं। हम इतिहास के सबसे टेक्नोलॉजिकल रिव्ल्यूशनरी के दौर से गुजर रहे हैं। ये एआई का अविष्कार है। एआई हर बाकी टेक्नोलॉजी से अलग है। क्योंकि ये सिर्फ एक टूल नहीं बल्कि एक एजेंट है।

नया साल शुरू हो गया है। इस साल दुनिया में फिर तकनीकि का बोलबाला रहने की उम्मीद है। 2024 में एआई की बातें पूरे में विश्व में छाई रहीं। सबसे ज्यादा एआई के गलत इस्तेमाल होने की खबरें आती रहीं। 2025 में उम्मीद की जा रही है इसके दुरुपयोग पर कोई न कोई ठोस निणर्य जरूर ले लिया जाएगा। भारत के लिए ये जरूरी है कि इस पर कोई तर्क संगत नियम बने क्योंकि पिछले साल डिजिटली अरेस्ट जैसी खबरों से मीडिया चैनल व अखबार पटे रहे। बदलाव प्रकृति का नियम है। इस नियम को आजतक कोई तोड़ नहीं पाया है। हर बदलते साल के साथ मौसम बदल रहे हैं। तरीके और तकनीक बदल रही है। हम बदल रहे हैं। हम इतिहास के सबसे टेक्नोलॉजिकल रिव्ल्यूशनरी के दौर से गुजर रहे हैं। ये एआई का अविष्कार है। एआई हर बाकी टेक्नोलॉजी से अलग है। क्योंकि ये सिर्फ एक टूल नहीं बल्कि एक एजेंट है। ये अपने दम पर फैसले ले सकता है और नए विचार सोच सकता है। सभी पहले की टेक्नोलॉजी चाहे वो एटम बम जैसी ताकतवर चीज ही क्यों न हो।

ताकतवर होने के बावजूद भी उनकी चांबी इंसानों के हाथ में थी। केवल इंसान ही ये तय कर सकता है, एटम बम ये नहीं तय कर सकता है कि किस शहर पर हमला करना है। न ही वो कोई नई चीज इजाद कर सकता है। एआई अपने दम पर फैसले भी ले सकता है और नई चीजों को इजाद भी कर सकता है। 2024 महत्वपूर्ण प्रगति का वर्ष रहा है। एआई ने दशक की परिभाषित तकनीक के रूप में अपनी भूमिका को मजबूत किया है। 2024 एआई डिवेलपमेंट के लिए बेहद खास रहा। गूगल, ओपन एआई, एक्स, मेटा, एनवीडीए सभी ने अपने मल्टीमॉडल लॉन्च किए। पूरे साल जेमिनी 2.0, ग्रोक 2.0, चैटजीपीटी सर्च, गूगल एआई ओवरव्यू ने खूब सुर्खियां बटोरी। उपयोगकर्ताओं के लिए, यह स्पष्ट होता जा रहा है कि ये नई टेक्नोलॉजी रिप्लेसमेंट से अधिक को-पायलट की भूमिका निभाता है। 2025 में एआई के वास्तविक उपयोग के मामलों में कुछ पुनर्गणना होने जा रही है। शुरुआती अपनाने वाली कंपनियों ने महसूस किया है कि हालांकि एआई के बिना कोई भविष्य नहीं है, लेकिन यह उनकी सभी समस्याओं का एकमात्र जवाब नहीं है, कम से कम अभी तक नहीं। आईए जानते हैं नया साल दुनिया को कितना बदल सकता है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का बाजार काफी तेजी से बढ़ा है। मेडिकल डॉग्नोस्टिक से लेकर पर्सनलाइज कस्टमर सर्विस तक एआई पावर सिस्टम की भूमिका और भी कॉप्लैक्स होने जा रही है। एआई एजेंट बिना किसी मार्गदर्शन के कुछ कार्य कर सकते हैं। अपनी गलतियों से सीख सकते हैं और यहां तक कि इन कार्यों पर निर्णय भी ले सकते हैं।

संजय

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

आर्थिक मंदी की आहट कीजिए महसूस

सुबीर रॉय

लगता है भारतीय अर्थव्यवस्था धीमी गति से नीचे की ओर जा रही है- 2024-25 में आर्थिक वृद्धि दर 7 प्रतिशत रहने के पिछले अनुमान की बनिस्बत अब इसे 6.4 प्रतिशत बताया जा रहा है। बहुत से वैश्विक विश्लेषकों का कहना है कि अगले वित्तीय वर्ष में भी रफ्तार यही बनी रहने की उम्मीद है। स्पष्ट है हमारी अर्थव्यवस्था स्पष्ट रूप से शिथिलता की ओर जा रही है। यद्यपि धीमी चाल पर भी, भारतीय अर्थव्यवस्था की गति अधिकांश अन्य बड़े देशों की तुलना में अधिक रहेगी। तभी तो, इस मंदी से नेतृत्व को इतनी चिंता नहीं हो रही है क्योंकि यह अभी भी स्थायित्व वाले स्तर पर बनी रहेगी। लेकिन मंदी का कारण और उसका उपाय खोजना महत्वपूर्ण है क्योंकि लोगों का एक बड़ा वर्ग अभी भी बहुत गरीब है। इससे भी खराब यह कि अमीर-गरीब की आय में बहुत अंतर है, केवल एक छोटा वर्ग ही देश की उच्च अर्थव्यवस्था के फल का लाभ उठा रहा है। वर्ष 2022-23 में, भारत की सकल राष्ट्रीय आय का 22.6 प्रतिशत अंश आबादी के शीर्ष एक फीसदी अमीरों के हाथ गया।

इसके अलावा, ग्रामीण-शहरी अंतर भी है। ग्रामीण भारत में जरूरत की चीजों पर खर्च प्रति व्यक्ति 3,773 रुपये था, जबकि शहरी भारत में यह 6,459 रुपये रहा। इस प्रकार, अर्थव्यवस्था में शहरी उपभोग का ही अधिक महत्व है। मंदी का मुख्य कारण अपर्याप्त क्रय-शक्ति है। शहरी मध्यम वर्ग पर यह कारक विशेष रूप से लागू है, जो कि समग्र मांग का मुख्य प्रेरक है। इसके परिणामस्वरूप उपभोग आधारित उत्पादक कारोबार में सुस्ती आएगी। ये पूरे वेग से आगे नहीं बढ़ पाएंगे। लिहाजा, कंपनियां कम कर्मचारियों को काम पर रखेंगी। इससे मांग में आगे कमी बनेगी और सकल उपभोग में मंदी बढ़ेगी। ग्रामीण भारत में, स्थिति और भी बदतर है। आजीविका चलाने के लिए, पुरुषों की कमाई अपर्याप्त होने के चलते गांवों के परिवारों की महिलाओं को काम करना पड़ता है। लेकिन, वास्तव में, यह महिलाएं किसी कंपनी या कारखाने में नहीं, बल्कि खेतों में काम कर रही हैं। इसलिए, एक फैक्टरी मजदूर जितनी आय भी उनकी नहीं है।

उच्च विकास दर दो ताकतों- विनिर्माण और सेवाओं के बढ़ने से बनती है। लेकिन जैसा कि पहले बताया गया है, अब तक मजबूत रहे विनिर्माण

क्षेत्र में भी मंदी जारी है। अगर ग्रामीण क्षेत्रों की महिलाएं खेतों में काम की बजाय कारखानों में जातीं, तो व्यापक आधार पर विकास होता। उद्योगों एवं सार्वजनिक बुनियादी ढांचे में बहुत अधिक पूंजी निवेश होने से ही उच्च विकास दर संभव हुई थी, इसमें भी, आधारभूत ढांचे में यह वृद्धि अधिक सार्वजनिक निवेश के माध्यम से संभव हुई थी। बेहतर सड़कें, बिजली और रेलवे तंत्र ने उद्योग जगत को आशावादी महसूस करवाया और अधिक विकास हुआ। इससे कार, ट्रक और दोपहिया वाहनों के बाजार में काफी उछाल आया। इसके परिणाम में मध्यम वर्ग के उपभोग व्यय में इजाफा हुआ, खासकर शहरी क्षेत्रों में। किंतु आज यह कारखाने, जो कि ज्यादातर तेजी से बिकने वाले उपभोग के सामान का उत्पादन करते हैं, सुस्त हो रहे हैं। इसलिए, जिस सपने का हम इंतजार कर रहे थे- ग्रामीण क्षेत्रों की अधिक महिलाओं का शहरी क्षेत्रों में कंपनी-कारखानों में अधिक नौकरियां करना- वह फीका पड़ चल रहा है। अब, सेवा क्षेत्र पर नजर डालते हैं, जो उच्च विकास की अवधि के दौरान अत्यधिक मजबूत बनती चली गयी थी। मजबूत खपत ने कारों, दोपहिया वाहनों, टीवी सेट आदि को ठीक करने वालों के लिए अधिक रोजगार का सृजन किया। जैसे-जैसे विनिर्माण में कमी आएगी, सेवा क्षेत्र की उच्च विकास दर में भी मंदी आने की संभावना है। अब बात करने को बचा हमारा निर्यात सेवा क्षेत्र, जो सॉफ्टवेयर इंजीनियरों के कौशल का पर्याय है, और अब यह कृत्रिम बुद्धिमत्ता विकसित करते हुए और ऊपरी स्तर छू रहा है। लेकिन यहां भी, एक नकारात्मक प्रभाव आड़े आ रहा है- विदेशी ग्राहक कंपनियां अब आसपास के लोगों से काम लेने को तरजीह देने लगी हैं।

विकसित अर्थव्यवस्थाएं आव्रजन के मामले में सख्त होती जा रही हैं, अग्रणी भारतीय सॉफ्टवेयर कंपनियों के लिए निकटवर्ती क्षेत्र में काम तलाशे जाने की जरूरत बढ़ेगी। विकसित देशों की कंपनियां स्थानीय प्रतिभा को काम देकर अपना खुद का मानव विकास केंद्र बनाना चाहती हैं। विकसित देशों की बड़ी कंपनियां भारत में अधिक से अधिक उच्च परिष्कृत वैश्विक विकास केंद्र स्थापित कर रही हैं, जिससे उच्च-स्तरीय इंजीनियरिंग नौकरियों का सृजन हो रहा है। यह कुशल भारतीयों के लिए बहुत अच्छी खबर है, लेकिन इनकी कुल संख्या कम है। इन कंपनियों और राष्ट्र द्वारा सेवाओं का निर्यात एक हकीकत है, लेकिन राष्ट्रीय विकास पर इनका कुल प्रभाव न्यूनतम है।

परवरिश के मानदंडों पर सोचने का वक्त

बलदेव राज भारतीय

जिस देश में श्री राम अपने पिता के एक वचन को निभाने के लिए सहर्ष वनवास स्वीकार कर लेते हैं, श्रवण कुमार अपने अंधे पर माता-पिता को बहंगी में बिठाकर चारों धाम की यात्रा करवाने ले जाते हैं। उसी देश में आज के समय में श्रीनाथ खंडेलवाल जैसे समृद्ध और उच्च कोटि के साहित्यकार को उसकी संतान वृद्धाश्रम में ठोकरें खाने के लिए छोड़ दे और जब उन्होंने गत 28 दिसंबर को प्राण त्यागे तो उन्हें मुखाग्नि देने का समय भी बेटे और बेटी के पास न हो, तो इसे विडंबना कहेंगे या फिर युग का प्रभाव? यह समाचार पढ़कर किसी का भी हृदय कांप जाए तो उनकी संतान की ऐसी क्या विवशता थी कि उन्हें उनका बुढ़ापा भारी पड़ गया। इस वाकये की वजह से फिल्म 'बागबान' याद आ गई। जिसमें एक पिता की पुस्तक छपने के बाद रॉयल्टी के लालच में उसके चारों बेटे फिर से पिता का सान्निध्य पाना चाहते थे। लेकिन इस घटना में तो 400 से अधिक पुस्तकें छपने और 80 करोड़ की संपत्ति अर्जित कर उसे संतान के नाम करने के बाद भी पिता को अपने अंतिम दिन वृद्धाश्रम में काटने पड़े।

लोग अक्सर कहते हैं कि कितना अभागा है वह पिता, जिसकी अर्थी को उसके अपने बेटे का कंधा भी न मिल पाया। जिसको बेटे के हाथ से मुखाग्नि भी न मिल पाई। परन्तु यहां अभागा पिता नहीं बल्कि वह बेटा और बेटी भी हैं जो उसके अंतिम संस्कार के वक्त हां अनुपस्थित थे। श्रीनाथ खंडेलवाल के बेटा-बेटी को अपनी भूल सुधार का कोई अवसर अब प्राप्त नहीं होगा। अब लोगों के समक्ष वे चाहे जितने भी बहाने बनाएं, लोग यही कहेंगे कि यही था जिसने अपने पिता को बुढ़ापे में वृद्धाश्रम में मरने के लिए छोड़ दिया और उसका अंतिम संस्कार करने भी नहीं गया। कहते हैं कि बेटी अक्सर पिता के हृदय के बहुत करीब होती है। यदि बेटा निकम्मा भी निकल आए तो भी बेटी माता-पिता का ध्यान-सम्मान करती है। दूसरे घर में होते हुए भी अपने माता-पिता की अधिकाधिक देखरेख करती है। परन्तु उक्त मामले में बेटी भी पाषाण-हृदय निकली- यह जानकर ठेस लगना स्वाभाविक है।

श्रीनाथ खंडेलवाल का जन्म एक साधारण परिवार में हुआ था, लेकिन उनका मन हमेशा से साहित्य की ओर झुका रहा। मात्र 15 वर्ष की आयु में लेखन शुरू किया और एक प्रतिष्ठित साहित्यकार के रूप में पहचान बनाई। शिव पुराण और मत्स्य पुराण जैसे ग्रंथों का उनके द्वारा हिंदी में अनुवाद किया गया। खंडेलवाल ने संस्कृत, असमिया, और बांग्ला में भी साहित्य सृजन किया। उनका जीवन साहित्य और ज्ञान को समर्पित था। वैभव और ख्याति के बीच, श्रीनाथ खंडेलवाल का निजी जीवन संघर्षों से भरा रहा। उन्होंने अपने बच्चों के लिए सब कुछ किया, लेकिन वही बच्चे उनके अंतिम दिनों में उनकी सबसे बड़ी पीड़ा बन गए। उनका बेटा एक सफल व्यवसायी और बेटी अधिवक्ता है। बावजूद इसके, मार्च 2024 में उन्होंने अपने पिता को घर से निकाल दिया। करीब 80 करोड़ की संपत्ति के बावजूद उन्हें वृद्धाश्रम में रहना पड़ा। उनकी यह स्थिति हमें सोचने पर विवश करती है।

काशी कुष्ठ सेवा संघ के वृद्धाश्रम में बिताए उनके अंतिम दिन दर्दभरे थे। एक वायरल वीडियो में उन्होंने अपनी पीड़ा साझा करते हुए कहा था, 'मैंने अपनी पूरी जिंदगी अपने बच्चों के लिए लगाई, लेकिन आज वे मेरे लिए अजनबी बन गए हैं। मेरे पास सब कुछ था, लेकिन आज मैं अकेला हूं।' यह बयान न केवल उनकी वेदना को प्रकट करता है, बल्कि संतान के संवेदनहीन रवैये पर भी चोट करता है। गत 28 दिसंबर को उनकी तबीयत बिगड़ने पर जब अस्पताल से उनके बच्चों को सूचित किया गया, तो बेटे ने 'बाहर होने' का बहाना बना दिया और बेटी ने फोन तक नहीं उठाया। आखिरकार, एक सामाजिक कार्यकर्ता और उनके कुछ साथी इस समय अस्पताल में उनके साथ रहे। उन्होंने न केवल वृद्धाश्रम में श्रीनाथ का ध्यान रखा, बल्कि उनके निधन के बाद बनारस के मणिकर्णिका घाट पर उनके अंतिम संस्कार की व्यवस्था भी की। श्रीनाथ खंडेलवाल का जीवन और निधन समाज के समक्ष एक गंभीर सवाल उठाता है। यह घटना बताती है कि आधुनिकता और व्यस्तता के नाम पर हम अपने माता-पिता और बुजुर्गों को भुला रहे हैं। संपत्ति और व्यक्तिगत महत्वाकांक्षाओं के पीछे भागते हुए, हम उन्हें अनदेखा कर रहे हैं जिन्होंने हमारे लिए अपना सब कुछ दांव पर लगाया।

यह केवल एक परिवार की कहानी नहीं है, बल्कि समाज के व्यापक बदलाव का प्रतीक है। ऐसी घटनाएं हमें चेताती हैं कि अब रिश्तों और जिम्मेदारियों को फिर से परिभाषित करने की आवश्यकता है। नैतिक मूल्यों को पहचानने और अपनाने की सोच को दकियानूसी बताकर पल्ला झाड़ने के परिणाम भयंकर हो सकते हैं। इसलिए आवश्यकता अपने बच्चों को महंगे स्कूलों में पढ़ाकर उन्हें इंजीनियर, व्यवसायी, डॉक्टर या कुछ और बड़ा बनाने से पहले उन्हें संवेदनशील इंसान बनाने की है। हर माता पिता यही सोचता है कि उसका बच्चा किसी तरह कामयाब हो जाये, फिर उसका जीवन सुखी तो अपना भी सुखी। परन्तु श्रीनाथ खंडेलवाल का उदाहरण सामने है उनके दोनों बच्चे कामयाबी की ट्रेन में सवार हैं परन्तु इंसानियत को कहीं पीछे छोड़ आए। शायद उसी का खमियाजा श्रीनाथ जी को अंतिम समय में भुगतना पड़ा।

मेहमानों के लिए झटपट बनाएं ये पकवान

अक्सर लोग एक दूसरे के घर आते जाते रहते हैं और ऐसा करने से एक दूसरे के प्रति प्यार बढ़ता है। लेकिन अक्सर देखा गया है कि जब अचानक कोई घर पर मेहमान आ जाता है तो हम यह सोचते हैं की अब मेहमानों के लिए नाश्ते में क्या बनाकर खिलाएं और क्या नहीं। ऐसे में यदि आपके घर भी मेहमान आने वाले हैं या मेहमान अचानक आ गए हैं तो घबराने की जरूरत नहीं है। क्योंकि कुछ ऐसे पकवान है जो आसानी और जल्दी भी बन जाते हैं जिन्हें आप काफी आसानी से बना सकते हैं। इनमें से कुछ पकवान तो ऐसे हैं जो महज 15 मिनट में आप तैयार कर सकते हैं।

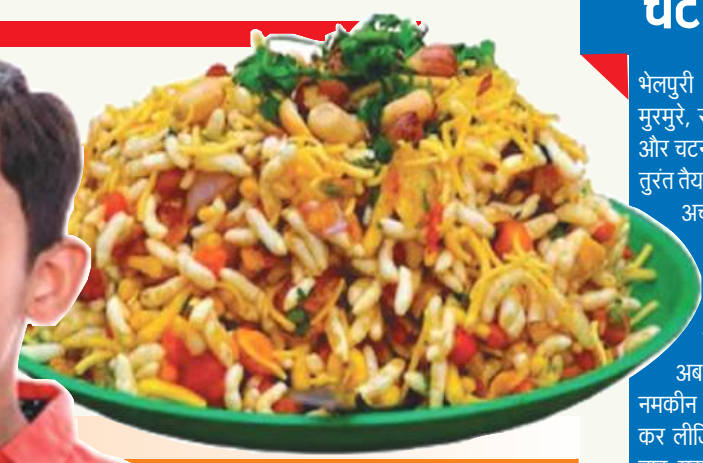

मसाला पापड़

मसाला पापड़ खाने में स्वादिष्ट लगता है। बस ध्यान रखें कि मसाला पापड़ तैयार करने के बाद इसे तुरंत ही परोसें, वरना ये गलने लगेगा। जिस वजह से इसका स्वाद खराब हो जाएगा। बनाने के लिए पापड़ गैस पर सेंकना बेस्ट रहेगा। सबसे पहले आप प्याज, टमाटर, खीरा, हरी मिर्च, धनिया सबको बारीक काट लें। इसमें काला नमक मिलाएं। अब 2 पापड़ लें इनको छोटे टुकड़ों में तोड़ें। टुकड़े ज्यादा छोटे न करें। इसमें कटी हुई सब्जियां मिला लें। साथ ही पनीर को टुकड़ों में काट लें। इसमें थोड़ा सा नमक, चाट मसाला, नींबू और सॉस मिलाएं। इस पनीर को भी पापड़ के साथ मिलाएं। सारी चीजें अच्छे से मिला लें। ऊपर से थोड़ा सा लाल मिर्च पाउडर भी डाल लें। पापड़ में काली मिर्च पहले से ही होती है। पापड़ और पनीर से आपको प्रोटीन मिलेगा।

चटपटी भेलपुरी

भेलपुरी एक झटपट स्नैक्क है जो मुरमुरे, सेव, प्याज, टमाटर, हरी मिर्च, और चटनी के साथ बनाया जाता है। यह तुरंत तैयार हो जाती है और चाय के साथ अच्छी लगती है। इसे बनाने के लिए सबसे पहले कटा हुआ प्याज, बॉइल्ड आलू, टमाटर और कटी हुई हरी मिर्च को एक कटोरे में निकाल लीजिए। अब इसी कटोरे में पापड़ी वाली नमकीन और मूंगफली के दाने भी एड कर लीजिए। इसमें खट्टी-मीठी चटनी, चाट मसाला और नमक भी एड कर लीजिए। अबसभी चीजों को अच्छी तरह से मिला लीजिए।

क्रिस्पी कॉर्न

क्रिस्पी कॉर्न शाम की चाय या कॉफी के साथ सर्व करने के लिए ये परफेक्ट स्नैक्स है। बच्चे और बड़े सभी को ये डिश खूब पसंद आती है। इसे बनाने के लिए एक बर्तन में थोड़ा पानी उबाल लें। कॉर्न सिर्फ 2 मिनट के लिए चलाते हुए उबालें.. इसमें चावल का आटा और मक्के का आटा डालें और इसमें जरा सा नमक और काली मिर्च पाउडर भी डालें। अब एक कढ़ाई में तेल गरम करें। कोटेड कॉर्न को क्रिस्पी और गोल्डन ब्राउन होने तक डीप फ्राई करें। ब्राउन कॉर्न को एक बाउल में डालें। कॉर्न को मसाले में लपेटने के लिए बढ़िया तरीके से मिलाएं और इसे सर्व करें।

चीज सैंडविच

यदि घर पर चीज और ब्रेड रखी है तो चीज सैंडविच सबसे बेस्ट विकल्प है। तो बस झटपट ब्रेड के हर टुकड़े के एक तरफ मेयोनेज को पतला फैलाएं। जब आप ग्रिल करने के लिए तैयार हों, तो ब्रेड, चीज़, नमक और स्पैचुला को ग्रिल पर ले जाएं। स्लाइस को मेयोनेज़ की तरफ नीचे करके ग्रिल पर रखें। आधे स्लाइस पर लगभग आधा कप चीज़ समान रूप से छिड़कें। ग्रिल को ढक दें और तब तक पकाएं जब तक ब्रेड सुनहरा न हो जाए और चीज़ लगभग पूरी तरह पिघल न जाए। ब्रेड को जलने से बचाने के लिए ज़रूरत पड़ने पर स्लाइस को ग्रिल के चारों ओर घुमाते रहें।

हंसना मना है

संता अपनी स्कूल की लड़की को बोला- आई लव यू, अब तुम मुझे बोलो, लड़की- मैं अभी जाकर सर को बोलती हूं। बंता- पगली सर को मत बोल, उनकी तो शादी हो चुकी है।

बीवी- जो आदमी रोज शराब पीकर आये उसके लिए मेरे मन में कोई हमदर्दी नहीं है! पति- जिसको रोज शराब मिल जाये, उसे तुम्हारी हमदर्दी की जरुरत भी नहीं है।

एक दफा एक बादशाह ने खुशी में सब कैदी रिहा कर दिए। उन कैदियों में बादशाह नें एक बहुत ही बुजुर्ग कैदी को देखा.. बादशाह- तुम कब से कैद में हो? बुजुर्ग-आप के अब्बा के दौर से, ये सुन कर बादशाह की आंखों में आंसू आ गए और कहा-इसको दोबारा कैद में डाल दो, ये अब्बा की निशानी है....

भिखारी (अपने बेटे से)- बेटे, यदि हमारी सात लाख की लॉटरी लग गई तो सबसे पहले मकान खरीदूंगा, फिर अपने और तुम सबके लिए नए-नए कपड़े सिलवाऊंगा, इसके अलावा। बेटा - इसके अलावा पापा एक कार खरीद लेना। हम लोग उसमें बैठकर भीख मांगने चला करेंगे, क्योंकि मैं पैदल चलते-चलते थक जाता हूं।

कहानी | बैल और शेर

एक जंगल में तीन बैल रहा करते थे। तीनों आपस में अच्छे मित्र थे। वो घास चरने के लिए जंगल में एक साथ ही जाया करते थे। उसी जंगल में एक खूंखार शेर भी रहता था। शेर इन तीनों को मारकर खा जाना चाहता था। उसने कई बार बैलों पर आक्रमण भी किया, लेकिन बैलों की आपसी मित्रता के कारण वो कभी सफल नहीं हो पाया। जब शेर उन पर हमला करता था, तो तीनों बैल त्रिकोण बनाकर अपने नुकीले सींगों से अपनी रक्षा करते थे। तीनों बैल साथ मिलकर कई बार शेर को भगा चुके थे। शेर यह समझ गया था कि जब तक ये तीनों साथ रहेंगे, इन्हें मारा नहीं जा सकता है। इसलिए, उसने एक दिन इन तीनों को अलग करने के लिए एक चाल चली। शेर ने बैलों को अलग करने के लिए जंगल में एक अफवाह उड़ा दी। अफवाह यह थी कि इन तीनों बैलों में से एक बैल अपने साथियों को धोखा दे रहा है। बस फिर क्या था, बैलों के बीच इस बात को लेकर शक बैठ गया कि आखिर वो कौन है, जो हमें धोखा दे रहा है? एक दिन इसी बात को लेकर तीनों बैलों में झगड़ा हो गया। शेर ने जो सोचा था, वो हो गया था। अब तीनों बैल अलग-अलग रहने लगे थे। उनकी दोस्ती टूट चुकी थी। अब वो अलग-अलग होकर जंगल में चरने जाने लगे थे। बस शेर को इसी मौके का इंतजार था। शेर ने एक दिन उन तीनों बैलों में से एक पर हमला बोल दिया। अकेले पड़ जाने की वजह से वह बैल शेर का मुकाबला नहीं कर पाया और शेर ने उसे मार डाला। कुछ दिनों के बाद शेर ने दूसरे बैल पर भी हमला कर दिया और उसे मारकर खा गया। अब सिर्फ एक बैल बचा था। वह समझ गया था कि शेर अब उसको भी मार डालेगा। उसके पास बचने की कोई उम्मीद नहीं थी। वह अकेले शेर का मुकाबला नहीं कर सकता था। एक दिन जब वह जंगल में घास चरने गया था, तो शेर ने उसे भी अपना शिकार बना लिया। शेर की चाल पूरी तरह कामयाब हुई और उसने तीनों बैलों की दोस्ती तोड़कर उन्हें अपना शिकार बना लिया था।

7 अंतर खोजें

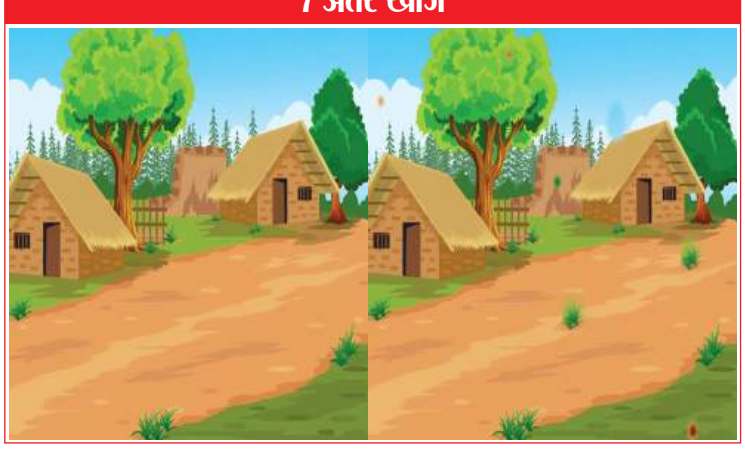

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

आज व्यापार में उत्साहवर्द्धक सूचना मिलेगी। भूले-बिसरे साथियों से मुलाकात होगी। फालतू खर्च होगा। बड़ा काम करने का मन बनेगा। कारोबार में लाभ होगा।

वृषभ

आज भेंट व उपहार की प्राप्ति होगी। व्यापार-कारोबार में वृद्धि होगी। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। समय अनुकूल है, लाभ लें। प्रमाद न करें।

मिथुन

आज हर तरफ से आय बनी रहेगी। व्यवसाय-व्यापार बहुत अच्छा चलेगा। बाहरी क्षेत्र से विवाद को बढ़ावा न दें। फालतू खर्च पर नियंत्रण रखें। कुसंगति से बचें।

कर्क

डूबी हुई रकम प्राप्त हो सकती है, प्रयास करें। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। निवेशादि मनोनुकूल लाभ देंगे। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। व्यापार में लाभ बढ़ेगा।

सिंह

व्यापारिक योजना फलीभूत होगी। कार्यस्थल पर परिवर्तन संभव है। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। मित्रों का सहयोग कर पाएंगे। निवेश शुभ रहेगा।

कन्या

कानूनी अड़चन दूर होकर स्थिति मनोनुकूल रहेगी। कारोबार में वृद्धि के योग हैं। धन प्राप्ति सुगम होगी। नौकरी में चैन रहेगा। लंबे समय से रुके कार्यों में गति आएगी।

तुला

बाहर रह रहे लोगों को परिवार से आज बुरी खबर मिल सकती है, धैर्य रखें। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। काम करने की इच्छा नहीं होगी। विवाद से क्लेश संभव है।

वृश्चिक

पिता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। व्यापार में उत्साह की अधिकता तथा व्यस्तता रहेगी। राजकीय बाधा दूर होगी। कारोबार ठीक चलेगा। प्रसन्नता रहेगी।

धनु

आज के दिन स्थायी संपत्ति में वृद्धि हो सकती है। प्रॉपर्टी के कामकाज बड़ा लाभ दे सकते हैं। निवेश शुभ रहेगा। नौकरी में प्रशंसा मिलेगी। रोजगार मिलेगा।

मकर

आज संतान के रचनात्मक कार्य पूर्ण व सफल रहेंगे। घर में पार्टी व पिकनिक का आयोजन होगा। नौकरीपेशा के आय में वृद्धि होगी। व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा।

कुम्भ

आज व्यापार में कार्य की अधिकता रहेगी। किसी बाहरी विवाद को बढ़ावा न दें। किसी व्यक्ति के व्यवहार से स्वाभिमान को ठेस पहुंच सकती है। जल्दबाजी न करें।

मीन

व्यावसायिक यात्रा आज लाभदायक रहेगी। मेहनत का फल पूरा-पूरा मिलेगा। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। मित्रों का सहयोग कर पाएंगे। भाग्य अनुकूल रहेगा।

देवा का पहला पोस्टर जारी

शाहिद कपूर का रा और इंटेंस लुक आया सामने

म शाहिद कपूर की बहुप्रतीक्षित एक्शन ड्रामा फिल्म 'देवा' का पहला पोस्टर सामने आ चुका है। निर्माताओं ने बुधवार को फिल्म से शाहिद कपूर के लुक वाला पोस्टर जारी किया। साथ ही फिल्म के रिलीज डेट की घोषणा भी की। फिल्म के पोस्टर ने फैंस की उत्सुकता को बढ़ा दिया है, जिसका इंतजार वह लंबे समय से कर रहे थे।

सामने आए पोस्टर में शाहिद कपूर का रा और इंटेंस लुक सामने आया है। वह दमदार लुक में नजर आ रहे हैं। मुंह में सिगरेट दबाए शाहिद किसी राउडी की तरह लग रहे हैं। वहीं, उनके पीछे अमिताभ बच्चन का पोस्टर भी नजर आ रहा है। दीवार पर अमिताभ का पोस्टर इस बात का संकेत है कि शाहिद का किरदार विद्रोही और न्यायप्रिय हो सकता है।

31 जनवरी को होगी रिलीज

पोस्टर के साथ निर्माताओं ने फिल्म के रिलीज डेट की भी घोषणा की है। यह फिल्म 31 जनवरी को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। जी स्टूडियोज के सहयोग से रॉय कपूर फिल्म्स के बैनर तले सिद्धार्थ रॉय कपूर और उमेश केआर बंसल द्वारा निर्मित, देवा ने पहले ही प्रशंसकों और आलोचकों के बीच काफी चर्चा बटोरी है। पोस्टर पर बोल्ड तरीके से प्रदर्शित रिलीज की तारीख की घोषणा इसकी रिलीज को लेकर उत्साह को और बढ़ा देती है। शाहिद के फैंस उनकी आगामी फिल्म को सिनेमाघरों में देखने के लिए काफी ज्यादा उत्साहित हैं।

शाहिद कपूर के साथ ये सितारे आएंगे नजर

फिल्म 'देवा' में शाहिद कपूर के साथ कई अन्य सितारे भी नजर आएंगे। इस फिल्म में शाहिद कपूर, पूजा हेगड़े, पावेल गुलाटी, रोशन एंड्रयूज, अहम भूमिका निभाते हुए दिखेंगे।

'बिनोदिनी' में रामकृष्ण की भूमिका निभाएंगे भोपा स्वामी

नेशनल अवॉर्ड विनर फिल्ममेकर राम कमल मुखर्जी डायरेक्टेड फिल्म 'बिनोदिनी' का पहला पोस्टर बिनोदिनी थिएटर में एक्टर्स, क्रू मेंबर्स की मौजूदगी में रिलीज हुआ। पोस्टर में एक्टर चंदन रॉय सान्याल, श्री रामकृष्ण परमहंस के रूप में नजर आ रहे हैं। इस फिल्म को प्रमोद फिल्म्स, देव एंटरटेनमेंट वेंचर्स मिलकर बना रहे हैं।

फिल्म 'बिनोदिनी' नॉर्थ कोलकाता के रेड लाइट डिस्ट्रिक्ट की एक लड़की की इंस्पेरिशन स्टोरी है। वह एक थिएटर आर्टिस्ट बनने का सपना देखती है। तमाम दिक्कतों के बावजूद, उसने बिनोदिनी के तौर पर पहचान पा ली। बाद में यही नाम बंगाली थिएटर में सबसे बड़ा नाम बना। लेकिन इस लड़की की अतीत की छाया, उसकी सफलता को कम करने की कोशिश करती रहती थी। फिल्म 'बिनोदिनी' में निर्देशक राम कमल मुखर्जी ने बिनोदिनी की कहानी को जीवंत कर दिया है। यह फिल्म 19वीं सदी के बंगाल की थिएटर संस्कृति के जरिए काफी कुछ कहती है। देव एंटरटेनमेंट वेंचर्स ने कहानी कहने का जिम्मा उठाया। थिएटर की दिग्गज बिनोदिनी दासी के जीवन पर फिल्म बनाना एक बड़ा काम है। देव एंटरटेनमेंट वेंचर्स के देव कहते हैं, ' इतनी बढ़िया टीम के साथ काम करना काफी अच्छा अनुभव था। हमने दिल से फिल्म बनाई है और अब इस महीने के आखिर में इसकी रिलीज का इंतजार है।' निर्देशक राम कमल मुखर्जी फिल्म 'बिनोदिनी' के बारे में कहते हैं, 'यह फिल्म उन महिलाओं के साहस को एक नमन है, जो अपने सपनों को पूरा करने के लिए कई चुनौतियों का सामना करती हैं। रामकृष्ण परमहंस के रूप में चंदन रॉय सान्याल का इस फिल्म का हिस्सा बनना, कहानी को और भी गहरा कर देता है। इस प्रोजेक्ट पर पहली बार रुक्मिणी के साथ काम करना मेरे लिए खुशी की बात थी।'

रामकृष्ण की भूमिका निभाना एक उपहार

एक्टर चंदन रॉय सान्याल भी रामकृष्ण परमहंस का किरदार निभाकर काफी खुश हैं। वह कहते हैं, 'मेरे लिए सबसे बड़ा चैलेंज रहा श्री रामकृष्ण की भूमिका निभाना। लेकिन मुझे लगता है कि यह किरदार मेरे लिए ईश्वर की तरफ से एक उपहार है। ईश्वर ने मुझे यह रोल निभाने के लिए चुना और उन्होंने इसका पूरा ध्यान रखा।'

बॉलीवुड | **मन की बात**

मैं अपनी ही इंडस्ट्री से बहुत निराश और हताश हूं : अनुराग

फिल्म मेकर और डायरेक्टर अनुराग कश्यप बॉलीवुड से काफी नाराज दिखाई दे रहे हैं। वे हिंदी फिल्म इंडस्ट्री से इस हद तक चिढ़ गए हैं कि उन्होंने ग्लैम सिटी मुंबई छोड़ने तक का फैसला कर लिया है। इतना ही नहीं, अनुराग कश्यप ने बॉलीवुड पर कुछ नया ना करने की कोशिश करने का आरोप लगाते हुए अपना गुस्सा जाहिर किया है। हालिया इंटरव्यू में अनुराग कश्यप ने बताया कि वे बॉलीवुड की मानसिकता से काफी निराश हैं। उन्होंने कहा- अब मेरे लिए बाहर जाकर एक्सपेरिमेंट करना मुश्किल हो गया है क्योंकि इसकी कीमत चुकानी पड़ती है, शुरुआत से ही मेरे मेकर्स प्रॉफिट और मार्जिन के बारे में सोचते हैं। फिल्म शुरू होने से पहले, ये बात बन जाती है कि इसे कैसे बेचा जाए। अनुराग कश्यप ने आगे बॉलीवुड से निराश होने की बात कही और इसकी वजह का भी खुलासा किया। उन्होंने कहा-फिल्म मेकिंग का आनंद खत्म हो गया है। इसलिए मैं अगले साल मुंबई से बाहर जाना चाहता हूं। मैं साउथ जा रहा हूं। मैं वहां जाना चाहता हूं जहां उत्तेजना हो। नहीं तो मैं बूढ़ा होकर मर जाऊंगा। मैं अपनी ही इंडस्ट्री से बहुत निराश और हताश हूं। मुझे इसकी मानसिकता से घिन आती है। मानसिकता ये है कि जो पहले से ही काम कर चुका है उसे दोबारा बनाया जाए। वे कुछ भी नया करने की कोशिश नहीं करेंगे। अनुराग कश्यप ने टैलेंट एजेंसियों के प्रभाव की भी आलोचना की। उन्होंने कहा-पहली पीढ़ी के एक्टर्स और वाकई में हकदार लोगों से निपटना बहुत दर्दनाक है। कोई भी एक्टिंग ननहीं करना चाहता, वे सभी स्टार बनना चाहते हैं।

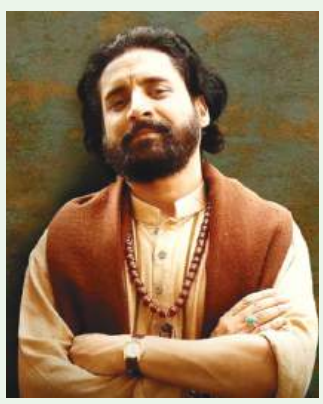

यहां राशन लेने भी हवाई जहाज से जाते हैं लोग, घर-घर में है प्लेन

हर किसी के घर में कोई न कोई गाड़ी होती ही है, चाहे वो बाइक हो या फिर कार। ये तो आम बात है लेकिन आज हम आपको जिस जगह के बारे में बताने वाले हैं, वहां लोग गाड़ियों की तरह हवाई जहाज रखते हैं। उनके लिए ये उतना ही सामान्य है, जितना हमारे लिए सड़क पर गाड़ियां दौड़ाना। ये बात न कोई मजाक है और न ही हम आपको बहका रहे हैं। वाकई अमेरिका के कैलिफोर्निया में एक ऐसा छोटा सा गांव है, जहां पर हर किसी के घर के सामने गाड़ी की जगह पर एक एयरक्राफ्ट खड़ा रहता है। इन्हें कहीं भी जाना हो, वे अपना प्लेन निकाल लेते हैं और उड़ जाते हैं। इससे जुड़ी हुई तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया पर अक्सर शेयर होते रहते हैं।

कैलिफोर्निया के कैमरन एयर पार्क नाम की इस जगह पर आपको सड़कें भी काफी चौड़ी-चौड़ी दिखाई देंगी। इसकी वजह ये है कि इन्हें रनवे की तरह हवाई अड्डे तक पहुंचने के लिए इस्तेमाल किया जाता है। गांव के हर घर के बाहर आपको गैराज तरह ही हैंगर बने हुए दिख जाएंगे, लोग यहीं पर अपने एयरक्रॉफ्ट को खड़ा करते हैं। मजे की बात ये है कि जब भी उन्हें कहीं जाने की जरूरत होती है, वे हवाई जहाज से ही उड़कर जाते हैं। अब हर कोई तो प्लेन चला नहीं सकता, ऐसे दिलचस्प ये भी है कि यहां रहने वाले लगभग सभी लोग पायलट हैं और खुद ही अपना प्लेन उड़ा लेते हैं। इस तरह के गांवों को एक तरह की फ्लाई इन कम्युनिटी कहा जाता है। यहां रहने वाले लोगों का अपना शेड्यूल है। वे शनिवार की सुबह इकट्ठा होकर लोकल एयरपोर्ट तक जाते हैं। एक अंदाजे के मुताबिक अमेरिका में ऐसे 610 एयर पार्क हैं, जहां रहने वाले सी लोगों के पास प्लेन है। ये एयर पार्क दरअसल दूसरे विश्वयुद्ध के दौरान बनाए गए एयरफील्ड हैं। उन्हें बदला नहीं गया और उन्हें ही आगे चलकर रेसिडेंशियल एयर पार्क में बदल दिया गया। इस तरह के गांवों या एयरपार्क में सिर्फ रिटायर्ड मिलिट्री पायलट रहते हैं। 1946 के दौरान अमेरिका में कुल 4 लाख पायलट थे, जिन्होंने ऐसे एयरपार्क में रहना शुरू किया। Cameron Park भी 1963 में बना था और यहां कुल 124 घर हैं। यहां की सड़कों के नाम और स्ट्रीट साइन भी एयरक्राफ्ट फ्रेंडली हैं। है ना मज़ेदार!

अजब-गजब | **इस देश में है सिर्फ 40 हजार की आबादी**

सिर्फ 60 लाख में किराये पर मिलता था ये देश

किराये पर मकान लेना, कार लेना, एसी-फ्रिज लेना तो बहुत आम बात है। कुछ देशों में तो किराये के बॉयफ्रेंड-गर्लफ्रेंड तक मिलते हैं। पर क्या आप जानते हैं कि आप रेंट पर पूरा का पूरा एक देश भी ले सकते हैं? जी हां, दुनिया में एक ऐसा भी देश है, जिसे किराया पर लिया जाता रहा है। 1 रात का किराया सुनकर आपके होश उड़ जाएंगे, पर ये भी तो सोचिए कि यहां पर किसी छोटी सी जमीन को किराये पर लेने की बात नहीं हो रही है, बल्कि पूरे एक देश को रेंट पर लेने की बात हो रही है। बड़ी बात ये है कि इस देश में सिर्फ 40 हजार लोग ही रहते हैं।

इससे पहले कि हम आपको इस देश के बारे में ज्यादा जानकारी दें, आपको सबसे पहले ये बता देते हैं कि अब ये सर्विस बंद हो चुकी है। 2011 में ही बंद हो चुकी थी। हमें मालूम है कि आपको ये जानकर निराशा हुई होगी, पर फिर भी, आपको ये जरूर जान लेना चाहिए कि आखिर वो देश कौन सा है, जिसे 2011 तक किराये पर लिया जाता था? इस देश का नाम है लिकटेनस्टाइन। ये यूरोप में, स्विट्जरलैंड और ऑस्ट्रिया के बीच छोटा सा देश है, जो दिल्ली-मुंबई से भी छोटा है।

ये बेहद अमीर देश है, और यहां की आबादी 40 हजार रुपये है। अब जान लीजिए कि कितने रुपये में आप इस देश को किराये पर ले सकते हैं? इस देश को तब 70 हजार डॉलर (60 लाख रुपये) में किराये पर लिया जाता था। एयर बीएनबी पर देश को रेजिस्टर किया गया था। एक मार्केटिंग और प्रोडक्शन कंपनी ने मिलकर किराये पर देने वाले इस बिजनेस को शुरू किया था।

इंस्टाग्राम अकाउंट @geoallday पर इस देश के बारे में वीडियो के माध्यम से जानकारी दी गई है। वीडियो में बताया गया है कि जब कोई बुकिंग करता था, तो उसके ईवेंट की डीटेल स्ट्रीट साइन्स और अन्य जगहों पर लिख दी जाती थी। लोगों को किलों में जाने का फ्री एक्सेस था और राजा खुद आकर चाबी सौंपा करते थे। इस प्राइवेट ईवेंट मे मेहमान भी आ सकते थे, और आलप्स पर्वत पर आतिशबाजी होती थी। वीडियो पर लोगों ने जानकारी भी दी है कि 2011 से इसे रेंट नहीं किया जा सकता है।

आने वाली पीढ़ी पर गंभीर नहीं भाजपा : पटवारी

बोले- कचरा जलाने की योजना को अभी थोड़ा रोका जाए

» यूनियन कार्बाइड के कचरे के निस्तारण को लेकर सुमित्रा महाजन से मिले मप्र कांग्रेस अध्यक्ष

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भोपाल। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने इंदौर की पूर्व सांसद, पूर्व लोकसभा स्पीकर सुमित्रा महाजन (ताई) से मुलाकात कर पीथमपुर के रामकी कंपनी में डंप लिए गए यूनियन कार्बाइड के कचरे इंदौर, धार, पीथमपुर सहित आसपास के क्षेत्रों में पड़ने वाले दुष्प्रभाव को लेकर गहन चर्चा की। पटवारी ने कहा कि कचरा जलाने को लेकर कोर्ट के आदेश है, सरकार ने पीतमपुर की एक रामकी कंपनी में जो कचरा भेजा है जो रात में डंप हो चुका है, इसका इंदौर शहर पर क्या असर पड़ेगा बहुत ही गंभीर और चिंताजनक है।

पटवारी ने कहा कि इस मुद्दों को राजनीतिक रूप देने से वाजिब नहीं है, इससे इंदौर सहित अन्य क्षेत्रों की जनता के स्वास्थ्य पर गहरा प्रभाव पड़ेगा। उन्होंने कहा कि ताई से इस संबंध में बात हुई इसे राजनीतिक मुद्दा नहीं बनना चाहिए। कुछ साल पहले रामकी में 10 टन कचरा जलाया गया था, जिसका असर लंबे क्षेत्रफल पर प?ा था। उन्होंने कहा कि यदि निरीक्षण करेंगे तो पता चलेगा कि जो फसल 5 कुंटल होती थी वह घटकर एक कुंटल ही रह गई है। सवाल यह है कि इतना कचरा जलेगा या डिस्पोजल होगा या वैज्ञानिक विधि से इसका डिस्पोजल होगा तो स्वाभाविक है यशवंत सागर तालाब जो वहां से 27 किलोमीटर दूर है, जब तालाब के पानी का रिसाव होगा तो उसका असर कितना पड़ेगा, यशवंत सागर का पानी दूषित होगा। पटवारी ने कहा कि कचरा जलाने के लिए जो एक्सपर्ट है, उनसे बात करके जब तक है क्लियर नहीं होगा, तब तक कचरा नहीं जलाना चाहिए, मेरा सभी से आग्रह किया है कि कचरा जलाने की योजना को थोड़ा अभी रोका जाए, विपक्ष के नाते हमारा दायित्व है कि हम जनता के प्रति अपने दायित्व निभाएं। उन्होंने कहा कि मैं मानता हूं कि एक एक्सपर्ट की टीम बनानी चाहिए, कचरा जलाने से इसका क्या असर होगा इस पर चर्चा होना चाहिए।

कांग्रेस कर रही दोमुंही राजनीति : मोहन यादव

मुख्यमंत्री मोहन यादव ने कहा कि कचरा निष्पादन को लेकर उठ रही आशंकाएं निर्मूल हैं। भोपाल के लोग 40 वर्षों से इसी कचरे के साथ रहते आए हैं इसलिए कांग्रेस या जो लोग इस प्रक्रिया का विरोध कर रहे हैं उन्हें इस विषय में राजनीति नहीं करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि हादसे के बाद कांग्रेस की 20 साल तक सरकार रही, लेकिन उन्होंने इस समस्या को लेकर कुछ नहीं किया। कांग्रेस केवल दो मुंही राजनीती कर रही है, इन्हें भोपाल वासियों की चिंता नहीं है। उन्होंने कहा कांग्रेस दो मुंही बात न करे। उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर यूनियन कार्बाइड के 358 टन कचरे का वैज्ञानिक पद्धति के अनुसार निष्पादन पीथमपुर में किया जा रहा है। इस कचरे में 60 प्रतिशत मिट्टी और 40 प्रतिशत 7 नेफ्थाल और अन्य प्रकार के केमिकल से जुड़े अपशिष्ट है। उन्होंने आगे बताया कि कीटनाशक बनाने में नेफ्थाल सह उत्पाद की भूमिका में रहता है और वैज्ञानिकों के अनुसार इसका असर 25 वर्षों में समाप्त हो जाता है। चूंकि घटना को 40 वर्ष हो चुके हैं, इसलिए कचरे के निष्पादन को लेकर जो आशंकाएं जताई जा रही हैं वो स्वत: समाप्त हो जाती हैं। उन्होंने बताया कि कचरे के निष्पादन के लिए कई संस्थाओं ने गहन अध्ययन और परीक्षण किया। कोर्ट और कई विभागों के सुझाव और परामर्श के बाद ये प्रक्रिया शुरु हुई।

आरएसएस को लाभ पहुंचा रहे विजयन : वीडी सतीसन

» कांग्रेस सनातन धर्म वाले बयान पर केरल के सीएम पर बरसी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोच्ची। केरल के विपक्ष के नेता वीडी सतीसन ने वर्कला शिवगिरी तीर्थयात्रा कार्यक्रम के दौरान सनातन धर्म पर की गई टिप्पणियों के लिए मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन की आलोचना की है। सतीसन ने कहा कि सनातन धर्म किसी एक समूह के दावे से परे, भारत की सांस्कृतिक विरासत का हिस्सा है। यह असहमति केरल में धार्मिक और सांस्कृतिक मुद्दों को लेकर कांग्रेस और सीपीएम के बीच अंतर्निहित तनाव को उजागर करती है। वहीं विजयन ने कहा कि वह अपना बयान नहीं बदलेंगे।

उन्होंने कहा मैंने कल जो कहा था, मैं उस पर कायम हूं। वे श्री नारायण गुरु को सनातन धर्म के प्रवक्ता के रूप में चित्रित करने का प्रयास कर रहे हैं। यह सही नहीं है। उन्होंने भाजपा के उन आरोपों का भी जवाब दिया कि वह वोट बैंक की राजनीति के लिए सनातन धर्म का अपमान कर रहे हैं। अगर यह वोट-बैंक की राजनीति है, तो क्या मुझे कुछ और नहीं कहना चाहिए? मैंने जो कहा वह यह था कि श्री नारायण गुरु को संतान धर्म का प्रवक्ता बनाने का प्रयास न करें। केरल के मुख्यमंत्री को तिरुवनंतपुरम जिले के वर्कला शहर में शिवगिरी तीर्थयात्रा के संबंध में एक कार्यक्रम में दिए गए अपने बयानों के लिए भाजपा नेताओं की भारी आलोचना का सामना करना पड़ा। विजयन ने यह भी कहा कि (श्री नारायण) गुरु सनातन धर्म के प्रवक्ता या अभ्यासकर्ता नहीं थे। बल्कि, वह एक भिक्षु था जिसने उस धर्म को तोड़ा और नए युग के लिए नए युग के धर्म की घोषणा की।

एसटीएफ के खिलाफ लोकायुक्त से अमिताभ ठाकुर ने की शिकायत

» आजाद अधिकार सेना ने कई लोगों के फोन टैपिंग करवाने का लगाया आरोप

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। आजाद अधिकार सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष अमिताभ ठाकुर ने एसटीएफ द्वारा अवैध फोन टैपिंग किए जाने के संबंध में लोकायुक्त, उत्तर प्रदेश के समक्ष शिकायत प्रस्तुत किया है। उन्होंने कहा कि किसी भी व्यक्ति के फोन की नियमानुसार टैपिंग इंडियन टेलीग्राफ एक्ट की धारा 5 और टेलीग्राफ रूल 419ए के तहत की जाती है। उन्होंने कहा कि प्राप्त विश्वस्त जानकारी के अनुसार एडीजी, एसटीएफ अमिताभ यश के अधीन एसटीएफ द्वारा एक लंबे समय से भारी संख्या में तमाम लोगों की अवैध फोन टैपिंग की जा रही है, इसमें उनका फोन भी शामिल है।

उन्होंने कई बार शिकायत की किंतु हर शिकायत एसटीएफ को ही जांच के लिए भेजी गई, जिन्होंने निराधार बताते हुए खारिज कर दिया। अमिताभ ने कहा कि अत्यंत गंभीर मामला है जिसमें गहन तकनीकी जानकारी वाले अधिकारियों की जांच से ही सत्यता सामने आ सकती है। अत: उन्होंने लोकायुक्त से तकनीकी रूप से सक्षम अधिकारियों द्वारा इसकी जांच कराए जाने की मांग की है।

जिला भंग पर कांग्रेस करेगी आंदोलन

» सड़क पर उतरी पार्टी, राजस्थान विस में भी उठाएगी मामला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जयपुर। आने वाले कुछ महीने राजस्थान में सियासी पारा चरम पर होगा। जिले खत्म करने के सरकार के फैसले के विरोध में कांग्रेस सड़क पर उतर गई है। सीकर से इसकी शुरुआत हो चुकी है। यह विरोध सदन तक भी गूंजेगा। कांग्रेस प्रदेश भर में बड़े आंदोलन की तैयारी कर चुकी है। जल्द ही सरकार विधानसभा का बजट सत्र भी बुलाएगी। कांग्रेस इस मुद्दे को लेकर सदन में जबरदस्त विरोध दर्ज करवाना चाहती है। इस लिहाज से यह बजट सत्र भी सरकार के लिए आसान नहीं होगा।

पहले कांग्रेस खत्म करने वाले जिलों और संभाग मुख्यालयों पर बैठकों का आयोजन करके आंदोलन की रूपरेखा बनाएगी। फिर संघर्ष समितियों का गठन होगा। आखिर में राजधानी जयपुर में बड़ा प्रदर्शन होगा। विधानसभा में भी कांग्रेस इस मुद्दे को लेकर जमकर विरोध करेगी। सरकार के जिले और संभाग समाप्त करने के फैसले के खिलाफ कांग्रेस सड़कों पर उतर गई है। शुरुआत सीकर में पहली बैठक आयोजित करके हो चुकी है। जल्द ही अन्य समाप्त करने वाले जिलों और संभाग मुख्यालयों पर कांग्रेस बैठक करते हुए आंदोलन की रणनीति का खाका तैयार करेंगे।

कांग्रेस ने जिलों के गठन में की जल्दबाजी : पूर्व सांसद पटेल

जालौर-सांचोर जिले के निरस्त होने पर पूर्व सांसद देवजी एम. पटेल ने कांग्रेस सरकार पर जिलों के गठन में जल्दबाजी और तकनीकी खामियां रखने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की गलतियों के कारण भाजपा सरकार को जिले निरस्त करने पड़े। पूर्व सांसद देवजी एम. पटेल ने मीडिया से बातचीत करते हुए कहा कि कांग्रेस सरकार ने आनन-फानन में जिलों का गठन किया था। जिलों के गठन और नोटिफिकेशन जारी करने के बीच बड़ा अंतराल रहा, जिससे लोगों में असंतोष बढ़ा। उन्होंने कहा कि रानीवाड़ा-बागोड़ा क्षेत्र के धरना-प्रदर्शन कांग्रेस की गलत नीतियों का परिणाम थे। पूर्व सांसद देवजी एम. पटेल ने कहा कि कांग्रेस ने बागोड़ा को सांचोर में जोड़ते हुए रानीवाड़ा से अलग कर दिया। यह निर्णय बिना तकनीकी अध्ययन और लोगों को विश्वास में लिए बिना लिया गया। उन्होंने पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत पर निशाना साधते हुए कहा कि जिलों का गठन रातों-रात हुआ, जिससे जनता की समस्याएं और बढ़ गईं। पूर्व सांसद ने कांग्रेस सरकार पर जिलों के गठन में लापरवाही का आरोप लगाते हुए कहा कि तकनीकी खामियों और जनता की राय को नजरअंदाज करने के कारण यह निर्णय वापस लेना पड़ा।

सिडनी टेस्ट में फिर लड़खड़ाई भारतीय टीम

» पहली पारी में बनाए 185 रन, आस्ट्रेलिया ने 9 रन पर गंवाया एक विकेट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

सिडनी। भारत के लिए सिडनी में पांचवें टेस्ट का पहला दिन कुछ खास अच्छा नहीं रहा और टीम की पहली पारी 185 रन पर ऑलआउट हो गई। पहली पारी में भारत के सस्ते में आउट होने के बाद कोंस्टास और ख्वाजा ने ऑस्ट्रेलिया के लिए तेज शुरुआत देने की कोशिश की, लेकिन बुमराह ने ख्वाजा को आउट कर दिया। ऑस्ट्रेलिया की टीम फिलहाल 176 रन पीछे चल रही है। क्रीज पर सैम कोंस्टास सात रन बनाकर मौजूद थे। इससे पहले, भारत की पहली पारी 185 रन पर सिमट गई। भारतीय टीम 72.2 ओवर ही खेल सकी।

टीम के लिए ऋषभ पंत ने सबसे ज्यादा 40 रन बनाए। इसके अलावा रवींद्र जडेजा ने 26 रन, कप्तान जसप्रीत बुमराह ने 22 रन, शुभमन गिल 20 रन, विराट कोहली 17 रन और यशस्वी जायसवाल 10 रन बना सके। इनके अलावा बाकी बल्लेबाज दहाई का आंकड़ा भी नहीं छू सके। नीतीश रेड्डी खाता नहीं खोल सके। ऑस्ट्रेलिया की ओर से स्कॉट बोलैंड ने चार विकेट झटके, जबकि मिचेल स्टार्क को तीन विकेट मिले। पैट कमिंस ने दो विकेट लिया, जबकि नाथन लियोन को एक विकेट मिला। वहीं मैच से पहले स्टैंड इन कैप्टन जसप्रीत बुमराह ने बताया कि रोहित ने इस मैच के लिए आराम करने का फैसला लिया है और उन्होंने एक उदाहरण साबित किया है। हालांकि, हिटमैन का न खेलना बहुत सारी अटकलों को उजागर करता है। क्या रोहित ने टेस्ट से संन्यास लेने का फैसला कर लिया है? यह तो समय ही बताएगा, लेकिन मीडिया रिपोर्ट्स कि माने तो रोहित ने चयनकर्ताओं और टीम मैनेजमेंट को अपना फैसला सुना दिया है कि वह अब टेस्ट में नहीं खेलेंगे।

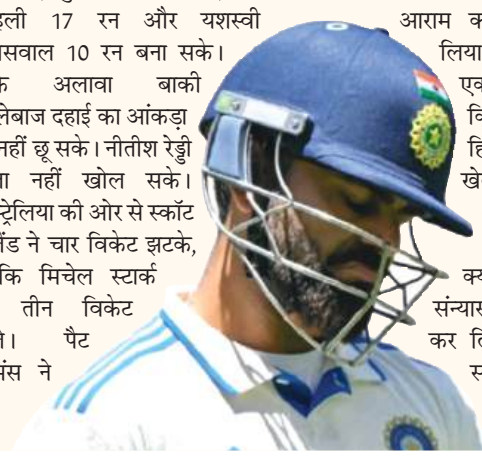

रोहित सीरीज के बीच में ड्रॉप होने वाले पहले भारतीय कप्तान

सिडनी टेस्ट के लिए भारतीय टीम में दो बदलाव किए गए हैं। टेस्ट में नियमित कप्तान रोहित शर्मा की जगह शुभमन गिल और आकाश दीप की जगह प्रसिद्ध कृष्णा को मौका दिया गया है। हालांकि, रोहित ने एक अनचाहा रिकॉर्ड भी बनाया है। वह किसी द्विपक्षीय सीरीज के बीच में प्लेइंग-11 से ड्रॉप होने वाले भारत के पहले कप्तान हैं। इससे पहले कभी किसी भारतीय कप्तान को किसी भी सीरीज के बीच में टीम से ड्रॉप नहीं किया गया। हालांकि, ओवरऑल दुनिया भर के क्रिकेट में ऐसा कुल चार बार हो चुका है। रोहित से पहले पाकिस्तान के पूर्व कप्तान मिस्बाह उल हक, श्रीलंका के पूर्व कप्तान दिनेश चांदीमल और इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइक डेनेस प्लेइंग-11 से ड्रॉप हुए थे।

उत्तर भारत में कोहरा, जन-जीवन प्रभावित, तीन दिन ऐसा ही रहेगा मौसम

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली समेत पूरे उत्तर भारत में शुक्रवार की सुबह घने कोहरे की चादर से लिपटा नजर आया। घना कोहरा छाया हुआ है। जिसकी वजह से विजिबिलिटी काफी कम हो गई है। और यातायात के दौरान लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। रिपोर्ट के मुताबिक, सुबह साढ़े नौ बजे दिल्ली समेत उत्तर भारत के कई एयरपोर्ट पर दृश्यता अभी भी शून्य मीटर पर है।

वहीं कोहरे की वजह से कई ट्रेनें और उड़ानें प्रभावित हुई हैं। पिछले 12 घंटों के दौरान दिल्ली में न्यूनतम दृश्यता का आंकड़ा सामने आया है। शुक्रवार सुबह साढ़े छह बजे पालम में 100 मीटर घना कोहरा छाया रहा। वहीं सुबह साढ़े पांच बजे सफदरजंग में 300 मीटर मध्यम कोहरा छाया रहा।

100 से ज्यादा उड़ानें हुई हैं प्रभावित

ठंड के इस मौसम में लोग अलाव का सहारा ले रहे हैं। वहीं कोहरे की वजह से कई ट्रेनें नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर देरी से चल और पहुंच रही हैं। वहीं दिल्ली एयरपोर्ट अधिकारियों ने शुक्र वार को एक एडवाइजरी जारी की है। यात्रियों से अनुरोध है कि वे अपनी उड़ान के बारे में जानकारी के लिए संबंधित एयरलाइन से संपर्क करें। घने कोहरे की वजह से 100 से ज्यादा उड़ानें प्रभावित हुई हैं।

बीपीएससी मामले पर पूरे बिहार में जगह-जगह छात्रों का चक्का जाम

ट्रेन और बसें रोकी गईं, पप्पू यादव बिहार सरकार पर भड़के, प्रशांत किशोर अनशन पर बैठे

» **सांसद पप्पू यादव बोले- सरकार हमारी मांगों को पूरा नहीं करती है तो और व्यापक आंदोलन किया जाएगा**

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। बिहार में पल-पल बदलते सियासी घटनाक्रम के बीच बीपीएसी छात्रों पर हुए लाठीचार्ज का मामला अब भी शांत नहीं हुआ। इसको लेकर विपक्ष पूरी तरह से एनडीए की नीतीश कुमार सरकार पर हमलावर है। जहां राजद छात्रों के मामले को बड़ा बनाने के लिए सक्रिय लग रही है वहीं सांसद पप्पू यादव ने शुक्रवार को पूरे बिहार में चक्का जाम कर राज्य सरकार को परेशान कर दिया हे उससे पहले जन सुराज पार्टी के अध्यक्ष प्रशांत किशोर अनशन पर बैठे हुए हैं।

गया में बीपीएससी छात्रों के समर्थन में पप्पू यादव के समर्थक सड़कों पर उतर गये। समर्थकों ने सड़क जामकर सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। सड़क जाम कर रहे पप्पू यादव के समर्थक राजीव कुमार कन्हैया ने कहा कि हमलोग बीपीएससी छात्रों के समर्थन में सड़क जाम कर रहे हैं। पप्पू यादव के नेतृत्व में राज्यव्यापी आंदोलन किया जा रहा है। हमलोगों ने राष्ट्रीय राजमार्ग, स्टेट हाईवे और रेल चक्का जाम करने का काम किया है। जिस तरह से बीपीएससी के छात्रों पर लाठी-डंडे बरसाए गए, हमलोग इसकी कड़ी निंदा करते हैं। सरकार छात्रों की मांगों को पूरा करें, बीपीएससी की दोबारा परीक्षा ली जाए, अगर सरकार हमारी मांगों को पूरा नहीं करती है तो और व्यापक आंदोलन किया जाएगा, साथ ही

पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को रोका

पूर्णिया में भी सांसद पप्पू यादव के बिहार बंद का असर देखने को मिला। पप्पू यादव के समर्थक शुक्रवार को सड़क और रेल मार्ग पर उतरे और वाहनों और ट्रेनों को रोकने का प्रयास किया। हालांकि पूर्णिया जंक्शन पर ट्रेन रोकने जा रहे समर्थकों को रेलवे पुलिस ने स्टेशन के बाहर ही रोक दिया। प्रदर्शन को देखते हुए पहले से शहर के चप्पे चप्पे पर पुलिस प्रशासन की ओर फोर्स तैनात किया गया है। आरा में 70 वीं बीपीएससी पीटी परीक्षा रद्द करने की मांग और अभ्यर्थियों पर हुई लाठीचार्ज के खिलाफ छात्र युवा शक्ति द्वारा आज एनएच को जाम कर दिया गया। पप्पू यादव की ओर से बुलाये गये बंद के समर्थन पर प्रदर्शनकारियों न जमकर हंगामा किया। सड़क पर टायर जलाकर आगजनी की। छात्र नेताओं के द्वारा मौके पर जमकर उग्र प्रदर्शन किया जा रहा हैं। मधेपुरा में युवा शक्ति के कार्यकर्ता पुरानी बस स्टैंड चौक पर सड़क जामकर विरोध प्रदर्शन किया। साथ ही बिहार सरकार के विरोध में नारेबाजी भी की। यह सभी सांसद पप्पू यादव के आह्वान पर एकत्र हुए हैं। इनका कहना है कि जबतक बीपीएससी 70वीं पीटी परीक्षा को कैंसिल नहीं करती तब तक इनका आंदोलन जारी रहेगा। प्रशांत किशोर का प्रदर्शन आज भी जारी है। वह गांधी मूर्ति के पास अपने समर्थकों के साथ अनशन पर बैठे हुए ही हैं। सैकड़ों छात्र प्रशांत किशोर के साथ नीतीश सरकार के विरोध में नारेबाजी कर रहे हैं। इन मांग है कि बिहार लोक सेवा आयोग 70वीं पीटी परीक्षा को रद्द करे और फिर से परीक्षा ले।

भारतीय संविधान को स्वीकार करने की तस्वीरें सराहनीय : संजय राउत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। सामना में छपी संपादकीय में नए साल के मौके पर सीएम देवेंद्र फडणवीस के गढ़चिरौली के दौरे की तारीफ की गई है। इसके बाद शिवसेना के सांसद संजय राउत ने भी सीएम की तारीफ को लेकर जवाब दिया है। संपादकीय में लिखा गया है कि फडणवीस ने नए साल में काम की शुरुआत गढ़चिरौली जिले से की। फडणवीस ने जो कहा है अगर वह सच है तो यह गढचिरौली ही नहीं, पूरे महाराष्ट्र के लिए पॉजिटिव होगा।

सामना में छपे संपादकीय को लेकर शिवसेना उद्धव के नेता संजय राउत ने कहा कि मैंने 10 नक्सलियों के हथियार डालने और भारतीय संविधान को स्वीकार करने की तस्वीरें देखी हैं। अगर कोई ऐसा करता है तो इसकी सराहना की जानी चाहिए। अगर गढ़चिरौली जैसे जिले का विकास होता है तो यह पूरे राज्य के लिए अच्छा है। अगर गढ़चिरौली महाराष्ट्र का स्टील सिटी बन जाता है तो इससे बेहतर कुछ नहीं है। यह सब देवेंद्र फडणवीस की पहल के बाद किया गया है और कोई इसकी सराहना नहीं कर रहा है, तो यह सही नहीं है। राउत ने कहा कि हमने देवेंद्र फडणवीस की प्रशंसा की है क्योंकि सरकार ने अच्छा काम किया है। महाराष्ट्र हमारा

» **सामना में हुई देवेंद्र फडणवीस की तारीफ**

राज्य है और नक्सलवाद से प्रभावित गढ़चिरौली में अगर नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया और सांविधानिक मार्ग चुना तो हम इसका स्वागत करते हैं। पहले के संरक्षक मंत्री ऐसा कर सकते थे, लेकिन इसके बजाय उन्होंने अपने एजेंट नियुक्त किए और पैसा इकट्ठा किया। इससे नक्सलवाद बढ़ा। हमने देवेंद्र फडणवीस के साथ काम किया है। लेकिन हम विपक्ष में हैं और हम मुद्दे उठाते रहेंगे।

शिवसेना नेता राउत ने कहा कि हम हमेशा अच्छी पहल की सराहना करते हैं। हमने पीएम मोदी की भी आलोचना की है, लेकिन जब वे कुछ अच्छा करते हैं तो हम उसकी सराहना भी करते हैं। आज तक गढ़चिरौली में जो भी उद्योग आता है तो लोग केवल उस उद्योगपति से जबरन वसूली के बारे में सोचते हैं, लेकिन अब ऐसा लगता है कि चीजें बदल रही हैं और इसकी सराहना की जानी चाहिए।

फोटो: सुमित कुमार

ये गलत है ऐसा न करें

ये महाशय, राजधानी के सबसे व्यस्ततम इलाके से एक ही गाड़ी पर पूरा परिवार लेकर रवाना हो गये हैं, इनके रास्ते में कई पुलिस चौकियां पड़ी होंगी, कई ट्रैफिक पुलिस वाले भी मिले होंगे लेकिन किसी ने इनको रोकने और टोकने की कोशिश नहीं की। पुलिस की इस अनदेखी और इनकी लापरवाही खुद के लिए और दूसरों के लिए भी खतरे का सबब बन सकती है।

सपा सांसद बर्क को लगा बड़ा झटका

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

हाईकोर्ट ने ठुकराई एफआईआर रद्द करने की मांग

प्रयागराज। संभल की शाही जामा मस्जिद में 24 नवंबर को सर्वे के दौरान हुई हिंसा मामले में समाजवादी पार्टी के सांसद जियाउर्रहमान बर्क को तगड़ा झटका लगा है। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने सपा सांसद के खिलाफ दर्ज एफआईआर रद्द करने की मांग ठुकरा दी है। कोर्ट ने कहा कि इस मामले में एफआईआर रद्द नहीं होगी और पुलिस की जांच जारी रहेगी।

हालांकि हाईकोर्ट ने पुलिस को फिलहाल सांसद बर्क को गिरफ्तार नहीं करने का आदेश दिया है। इलाहाबाद हाईकोर्ट में सपा सांसद के मामले पर सुनवाई करते हुए अदालत ने एफआईआर रद्द करने की मांग को ठुकरा दिया है। कोर्ट ने कहा है कि जिन धाराओं में सांसद बर्क के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है, उनमें 7 साल से कम की सजा होती है। इस मामले में पुलिस सांसद बर्क को नोटिस जारी करेगी।

नोटिस जारी कर उन्हें पूछताछ के लिए बुला सकती है। सांसद बर्क को पुलिस की जांच में सहयोग करना होगा।कोर्ट ने कहा कि अगर पुलिस के नोटिस देने पर बयान दर्ज करने के लिए सांसद बर्क नहीं आएंगे और पुलिस की जांच में सहयोग नहीं करेंगे तभी उनकी गिरफ्तारी होगी। कोर्ट ने इस मामले में सुप्रीम कोर्ट के एक पुराने आदेश पर अमल करने को कहा है। बता दें कि संभल में 24 नवंबर को मस्जिद सर्वे को लेकर भड़की हिंसा मामले में पुलिस ने सपा के स्थानीय सांसद जियाउर्रहमान बर्क को आरोपी नंबर एक बनाया है, उनके खिलाफ कई धाराओं में एफआईआर दर्ज की गई थी। जिसके बाद सांसद बर्क ने एफआईआर को इलाहाबाद हाईकोर्ट में चुनौती दी थी और एफआईआर रद्द किए जाने की गुहार लगाई थी। इस मामले पर जस्टिस राजीव गुप्ता और जस्टिस अजहर हुसैन इदरीसी की डिवीजन बेंच में सुनवाई हुई। सांसद जियाउर्रहमान बर्क की तरफ से अधिवक्ता इमरान उल्लाह और सैयद इकबाल अहमद ने दलीलें पेश की और बताया कि जिस दिन हिंसा भड़की थी वो शहर में मौजूद नहीं थे।

स्वामी 4 पीएम न्यूज़ नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। महाराष्ट्र कार्यालय :- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार : सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार : संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट : हसन जैदी, दूरभाष : 0522- 4078371 | Email : daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in | RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।